बृहस्पतिवार, 27 अगस्त, 2026

www.tvbharatvarsh.in

E-PAPER

कुल पृष्ठ–08

पंत की ये चालाकी भरी बातचीत स्टंप माइक में कैद हो गई

Page-04

भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

Toxic Review: यश की दमदार गैंगस्टर दुनिया

Page-05

नेपाल में बाढ़ का कहर, 8 लोगों की मौत

बड़े पैमाने पर राहत-बचाव अभियान जारी

नेपाल के रसुवा जिले में बुधवार को अचानक आई भीषण बाढ़ ने भारी तबाही मचा दी। भोटे कोशी नदी में अचानक जलस्तर बढ़ने के बाद आई बाढ़ में कम से कम आठ लोगों की मौत की सूचना है, जबकि 41 सुरक्षाकर्मियों के लापता होने की बात सामने आई है। प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों ने प्रभावित इलाकों में बड़े पैमाने पर राहत एवं बचाव अभियान शुरू कर दिया है।अधिकारियों के मुताबिक, लापता सुरक्षाकर्मियों में नेपाल पुलिस के 32 जवान और आर्म्ड पुलिस फोर्स के नौ जवान शामिल हैं। बताया गया है कि बुधवार सुबह स्थानीय समयानुसार करीब नौ बजे इलाके में अचानक बाढ़ की स्थिति पैदा हुई। नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ने के कारण आसपास के इलाकों में अफरा-तफरी मच गई और लोगों को सुरक्षित स्थानों की ओर जाने की चेतावनी जारी की गईप्रशासन ने नदी के किनारे रहने वाले लोगों को विशेष सावधानी बरतने और निचले इलाकों को छोड़कर सुरक्षित एवं ऊंचे स्थानों पर पहुंचने की अपील की है। बाढ़ के बाद प्रभावित क्षेत्रों में राहत और बचाव दलों को सक्रिय किया गया है। लापता लोगों की तलाश के लिए सुरक्षा एजेंसियों के साथ स्थानीय बचाव दल भी अभियान चला रहे हैं।रसुवा जिला नेपाल के महत्वपूर्ण पर्वतीय क्षेत्रों में शामिल है और यहां नदी तथा पहाड़ी भूभाग के कारण अचानक बाढ़ और भूस्खलन का खतरा बना रहता है। भोटे कोशी नदी में आई इस बाढ़ ने एक बार फिर पर्वतीय इलाकों में आपदा प्रबंधन की चुनौतियों को सामने ला दिया है।अधिकारियों का कहना है कि प्राथमिकता लापता लोगों को तलाशना और प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाना है। राहत कार्यों के साथ-साथ बाढ़ से हुए नुकसान का आकलन भी किया जा रहा है। हालांकि, खराब मौसम और कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के कारण बचाव अभियान में चुनौतियां सामने आ सकती हैं।इस प्राकृतिक आपदा के बाद प्रशासन ने स्थानीय लोगों से अफवाहों से बचने और अधिकारियों की ओर से जारी सुरक्षा निर्देशों का पालन करने की अपील की है। नदी के आसपास रहने वाले लोगों को विशेष रूप से सतर्क रहने को कहा गया है। बाढ़ में आठ लोगों की मौत और 41 सुरक्षाकर्मियों के लापता होने की खबर ने नेपाल में चिंता बढ़ा दी है। राहत और बचाव अभियान जारी है और अधिकारियों को उम्मीद है कि तलाशी अभियान के दौरान लापता लोगों के बारे में और जानकारी सामने आ सकेगी। फिलहाल प्रशासन की सबसे बड़ी चुनौती लापता सुरक्षाकर्मियों और अन्य प्रभावित लोगों तक जल्द से जल्द पहुंचना है।

बांसुरी स्वराज का राहुल गांधी पर पलटवार

भारतीय जनता पार्टी की सांसद बांसुरी स्वराज ने बुधवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए उनके हालिया बयान पर सवाल उठाए। मामला एक ज्वेलरी ब्रांड के रक्षाबंधन विज्ञापन को लेकर शुरू हुए विवाद से जुड़ा है, जिसमें अभिनेत्री कृति सेनन को सोशल मीडिया पर आलोचना का सामना करना पड़ा था। राहुल गांधी ने कृति सेनन का समर्थन करते हुए कहा था कि महिलाओं को अपनी पसंद के कपड़े पहनने की आजादी है और उन्हें इस आधार पर निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए।राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर महिलाओं की स्वतंत्रता और पसंद के अधिकार का समर्थन करते हुए ऑनलाइन ट्रोलिंग की आलोचना की थी। उन्होंने कहा था कि महिलाओं को यह तय करने का अधिकार होना चाहिए कि वे क्या पहनना चाहती हैं। इसी बयान को लेकर बांसुरी स्वराज ने राहुल गांधी पर राजनीतिक हमला बोला।बीजेपी सांसद ने सवाल उठाया कि यदि महिलाओं की स्वतंत्रता और पितृसत्ता के खिलाफ आवाज उठाने की बात की जा रही है, तो इसका दायरा केवल किसी एक घटना या शहर तक सीमित क्यों होना चाहिए। उन्होंने राहुल गांधी के रुख पर सवाल उठाते हुए कहा कि महिला सम्मान और अधिकारों की बात व्यापक स्तर पर होनी चाहिए।दरअसल, यह विवाद एक ज्वेलरी ब्रांड GIVA के रक्षाबंधन से जुड़े विज्ञापन के बाद सामने आया। विज्ञापन में कृति सेनन के पहनावे को लेकर सोशल मीडिया पर कुछ लोगों ने आपत्ति जताई थी। इसके बाद ऑनलाइन बहस तेज हो गई और अभिनेत्री के समर्थन तथा विरोध में अलग-अलग प्रतिक्रियाएं सामने आईं।राहुल गांधी ने इस विवाद के बीच कृति सेनन के समर्थन में आवाज उठाई। उनका कहना था कि किसी महिला के कपड़ों को लेकर उसे ट्रोल करना या निशाना बनाना उचित नहीं है। उन्होंने महिलाओं की व्यक्तिगत पसंद और स्वतंत्रता का सम्मान किए जाने की बात कही।

महबूबा मुफ्ती का बड़ा बयान इमरान खान की हालत पर बोलीं- 'जो बोया, वही काट रहे हैं'

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की जेल में स्थिति और उनके साथ किए जा रहे व्यवहार को लेकर लगातार राजनीतिक बहस चल रही है। इसी बीच जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने इमरान खान को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने पाकिस्तान की मौजूदा राजनीतिक परिस्थितियों को वहां की पुरानी राजनीतिक संस्कृति से जोड़ते हुए कहा कि इमरान खान आज जिस तरह के राजनीतिक दबाव और कार्रवाई का सामना कर रहे हैं, उनके प्रधानमंत्री कार्यकाल के दौरान उनके विरोधियों को भी कुछ ऐसी ही परिस्थितियों का सामना करना पड़ा था।महबूबा मुफ्ती ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर इमरान खान से अपनी पहली मुलाकात को याद करते हुए उनके राजनीतिक सफर और मौजूदा स्थिति का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की राजनीति में सत्ता और विपक्ष के बीच टकराव लंबे समय से चला आ रहा है। उनके मुताबिक, जब इमरान खान प्रधानमंत्री थे, तब उनके राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ भी कार्रवाई और दबाव के आरोप लगते रहे थे।महबूबा का यह बयान ऐसे समय आया है जब इमरान खान की जेल में स्थिति को लेकर उनके समर्थकों और परिवार की ओर से लगातार चिंता जताई जा रही है। उनके बेटे कासिम की ओर से भी पिता की स्थिति को लेकर चिंता व्यक्त किए जाने की खबरें सामने आई हैं। इमरान खान लंबे समय से जेल में हैं और उनके खिलाफ कई मामलों में कानूनी कार्यवाही चल रही है।

दिल्ली में 'लक्ष्मी योजना' की शुरुआत

महिलाओं को ₹2,500 की आर्थिक मदद; 9.5 लाख ने कराया रजिस्ट्रेशन

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को महिलाओं के लिए 'दिल्ली लक्ष्मी योजना' को लेकर बड़ा ऐलान किया। योजना के तहत पात्र महिलाओं को हर महीने 2,500 रुपये की आर्थिक सहायता देने का प्रावधान किया गया है। मुख्यमंत्री ने इसे महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने की दिशा में सरकार का महत्वपूर्ण कदम बताया और कहा कि यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्प को जमीन पर उतारने वाली पहल है।मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली की महिलाओं को 2,500 रुपये की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराना सरकार के प्रमुख चुनावी वादों में शामिल था। उन्होंने कहा कि सरकार ने इस वादे को पूरा करने की दिशा में काम शुरू कर दिया है। योजना के लिए रजिस्ट्रेशन पोर्टल शुरू किए जाने के बाद बड़ी संख्या में महिलाओं ने इसमें पंजीकरण कराया है।मुख्यमंत्री के मुताबिक, पोर्टल शुरू होने के लगभग एक महीने के भीतर करीब 9.5 लाख महिलाओं ने योजना के लिए रजिस्ट्रेशन कराया है। उन्होंने कहा कि इतनी बड़ी संख्या में महिलाओं का पंजीकरण इस बात का संकेत है कि दिल्ली की महिलाओं के बीच योजना को लेकर काफी उम्मीद और रुचि है।रेखा गुप्ता ने योजना को महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण

से जोड़ते हुए कहा कि आर्थिक सहायता महिलाओं को अपने छोटे-बड़े खर्चों को पूरा करने और परिवार में उनकी आर्थिक भूमिका को मजबूत करने में मदद कर सकती है। सरकार का उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक रूप से अधिक सक्षम बनाना है, ताकि वे जरूरत के समय दूसरों पर निर्भर न रहें।मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने अपने वादे को केवल घोषणा तक सीमित नहीं रखा है, बल्कि उसे लागू करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। उन्होंने योजना को लेकर महिलाओं की प्रतिक्रिया पर खुशी जताई और कहा कि बड़ी संख्या में पंजीहालांकि, किसी भी प्रत्यक्ष आर्थिक सहायता योजना की सफलता के लिए यह जरूरी है कि लाभार्थियों के चयन की प्रक्रिया पारदर्शी हो और सहायता समय पर पात्र महिलाओं तक पहुंचे। इसके साथ ही आवेदन और सत्यापन की प्रक्रिया सरल रखे जाने की जरूरत होगी, ताकि आर्थिक या डिजिटल कठिनाइयों के कारण कोई पात्र महिला योजना से वंचित न रह जाए।करण से सरकार का उत्साह बढ़ा है।दिल्ली में महिलाओं के लिए आर्थिक सहायता का यह कदम ऐसे समय सामने आया है जब देश के विभिन्न राज्यों में महिला मतदाताओं को ध्यान में रखकर प्रत्यक्ष लाभ और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं पर जोर बढ़ा है। ऐसे में 'दिल्ली लक्ष्मी योजना' भी राजधानी की राजनीति में महिलाओं को केंद्र में रखने वाली प्रमुख पहल बन सकती है।

सिंगर अंकित बालियान की शामली में गोलियों से भूनकर हत्या

उत्तर प्रदेश के शामली जिले से अपराध की हैरान कर देने वाली खबर सामने आई है। हरियाणवी एक्टर व सिंगर अंकित बालियान की शामली में गोलियों से भूनकर हत्या कर दी गई है। सामने आई जानकारी के मुताबिक, अंकित बालियान को जिम से बाहर निकलते वक्त गोली मार दी गई है। हत्या की इस वारदात ने पूरे इलाके में दहशत फैला दी है। आइए जानते है कि कैसे हुई ये हत्या और अब तक इस घटना के बारे में क्या कुछ जानकारी मिली है।शामली सदर कोतवाली क्षेत्र के सिटी में दिन छिपाते हरियाणा के सिंगर एक्टर अंकित बालियान की अज्ञात दर्जन बदमाशों ने गोलियों से भुनकर हत्या की। हरियाणा सिंगर जिम से वर्कआउट कर अपनी स्कार्पियो कार से साथी के साथ घर जा रहे थे। सदर कोतवाली से महज 500 मीटर की दूरी पर घटना को अंजाम दिया गया।

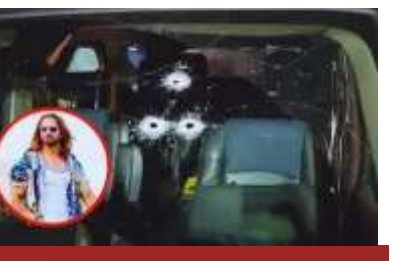

अमेरिका-सऊदी के बीच बड़ा परमाणु समझौता

'123 पैक्ट' से बदल सकता है मध्य पूर्व का रणनीतिक समीकरण

अमेरिका और सऊदी अरब के बीच प्रस्तावित असैन्य परमाणु सहयोग समझौता वैश्विक कूटनीति में चर्चा का बड़ा विषय बन गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने सऊदी अरब के असैन्य परमाणु कार्यक्रम को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से तैयार द्विपक्षीय समझौते को अमेरिकी कांग्रेस के पास समीक्षा के लिए भेज दिया है। इस समझौते को अमेरिकी परमाणु ऊर्जा कानून के तहत तैयार किए गए '123 एग्रीमेंट' के रूप में देखा जा रहा है।रिपोर्टों के अनुसार, समझौते का उद्देश्य सऊदी अरब को असैन्य परमाणु ऊर्जा विकसित करने में सहयोग देना है। इसके तहत परमाणु ऊर्जा के शांतिपूर्ण इस्तेमाल, तकनीकी सहयोग और परमाणु सुरक्षा से जुड़े क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच सहयोग बढ़ सकता है। हालांकि, यह समझौता केवल ऊर्जा सहयोग तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके व्यापक भू-राजनीतिक प्रभाव

भी हो सकते हैं।इस समझौते को लेकर सबसे महत्वपूर्ण राजनीतिक पहलू इजराइल से जुड़ा है। ट्रंप प्रशासन कथित तौर पर चाहता है कि सऊदी अरब इजराइल के साथ राजनयिक संबंध सामान्य करने की दिशा में आगे बढ़े और 'अब्राहम अकॉर्ड्स' का हिस्सा बने। ऐसे में परमाणु सहयोग और मध्य पूर्व में राजनयिक समीकरणों को एक साथ जोड़ने की अमेरिकी रणनीति क्षेत्र की राजनीति पर बड़ा असर डाल सकती है।समझौते पर अमेरिकी ऊर्जा मंत्री क्रिस राइट और उनके सऊदी समकक्ष के बीच वाशिंगटन में हस्ताक्षर किए जाने की बात सामने आई है। अब इसे कांग्रेस के पास समीक्षा के लिए भेजा गया है। अमेरिकी कांग्रेस में इस समझौते को लेकर सुरक्षा, परमाणु अप्रसार और सऊदी अरब के भविष्य के परमाणु कार्यक्रम को लेकर सवाल उठ सकते हैं।

हिन्दी जगत महामंच
www.tvbharatvarsh.in
भारतवर्ष
सच्ची खबर, सीधे आपके लिए
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक ई-पेपर
प्रदेश का नं. 1
प्रतिष्ठित हिन्दी न्यूज़
ई-पेपर

विज्ञापन दर

साईज	विजिटिंग कार्ड	क्वाटर पेज	हाफ पेज	फुल पेज (अंदर)	फुल पेज (कवर 2 - 3)	फुल पेज (कवर 4 - अंतिम)	(फ्रंट पेज)
रेट	₹ 3000	₹ 6000	₹ 10,000	₹ 20,000	₹ 25,000	₹ 30,000	₹ 100000

8601780000

इस्लामाबाद के अस्पताल में भीषण आग 14 नवजातों की मौत; शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका

पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद के पीआईएमएस अस्पताल के मातृ एवं शिशु वार्ड में बुधवार सुबह भीषण आग लग गई।हादसे में 14 नवजात शिशुओं की मौत हो गई, जबकि एक बच्चे को डॉक्टर ने सुरक्षित बचा लिया।प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट को आग की वजह माना जा रहा है और घटना की उच्चस्तरीय जांच के आदेश दिए गए हैं।

पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद के एक प्रमुख अस्पताल के स्त्री रोग वार्ड में बुधवार को भीषण आग लगने से कम से कम 14 नवजात शिशुओं की मौत हो गयी। प्राधिकारियों ने यह जानकारी दी। यह आग राजधानी के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल पाकिस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (पीआईएमएस) में सुबह करीब सात बजे लगी। इस्लामाबाद प्रशासन ने एक बयान में कहा कि अस्पताल के मातृ एवं शिशु वार्ड की तीसरी मंजिल पर आग लगने से 14 नवजातों की मौत हो गई। पीआईएमएस की प्रवक्ता डॉ. अनीजा जलील ने 'डॉन' अखबार को बताया कि जिस वार्ड में आग लगी, वहां 15 नवजात शिशु मौजूद थे। उन्होंने कहा, "एक डॉक्टर ने कम से कम एक नवजात शिशु को बचा लिया।" प्रशासन के बयान के अनुसार, घटना की सूचना मिलते ही बचाव दल मौके पर पहुंच गए।राहत एवं बचाव अभियान में दमकल की छह गाड़ियां और चार एंबुलेंस तैनात की गयीं। बयान में कहा गया है, "आग पर तुरंत काबू पा लिया गया।" साथ ही बताया गया कि घटना की जांच के लिए अतिरिक्त उपायुक्त जनरल की अध्यक्षता में एक जांच समिति गठित की गई है। पीआईएमएस की प्रवक्ता जलील ने बताया कि प्रथम दृष्टया ऐसा लगता है कि शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगी। आग को बुझा दिया गया है, लेकिन प्रभावित हिस्से को पूरी तरह ठंडा करने की प्रक्रिया में अभी कुछ समय लगेगा। संसदीय मामलों के मंत्री तारिक फजल चौधरी ने मीडिया को बताया कि वार्ड में ऑक्सीजन लाइन होने के कारण आग तेजी से फैल गई। उन्होंने कहा कि घटना की जांच जारी है और लापरवाही के लिए जिम्मेदार लोगों को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने बताया कि घटना की प्रारंभिक रिपोर्ट 14 घंटे के भीतर प्रधानमंत्री को सौंप दी जाएगी। उन्होंने कहा कि आग लगने के समय अस्पताल के अंदर दो डॉक्टर, दो नर्स और अन्य चिकित्सा कर्मचारी भी मौजूद थे। स्वास्थ्य मंत्री मुस्तफा कमाल ने कहा कि अस्पताल प्रशासन ने कुछ नवजातों के माता-पिता से डीएनए जांच के लिए नमूने मांगे हैं, क्योंकि मृत नवजातों में से कुछ की पहचान नहीं हो सकी है। इस बीच, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने घटना पर चर्चा के लिए इस्लामाबाद प्रशासन की एक उच्चस्तरीय बैठक बुलाई। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जारी बयान के अनुसार, उन्होंने घटना पर गहरा दुख जताते हुए तत्काल जांच के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि घटना के पीछे की परिस्थितियों की गहन जांच की जानी चाहिए, जिम्मेदार लोगों की पहचान की जानी चाहिए और उनके खिलाफ सबसे कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए। राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने भी इस दुखद घटना पर गहरा शोक और संवेदना व्यक्त की। उन्होंने नवजातों की मौत को "बेहद हृदयविदारक और अपूरणीय क्षति" बताया। जरदारी ने भी घटना के लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई करने का निर्देश दिया। इससे पहले, स्थानीय मीडिया में आयी खबरों में कहा गया था कि इस घटना में 15 नवजातों की मौत हुई है।

शरिया लागू करने के समर्थक अल्पर्सलान कुयतुल को गिरफ्तार कर लिया गया

तुर्की में इस्लामिक विद्वान और शरिया लागू करने के समर्थक अल्पर्सलान कुयतुल को गिरफ्तार कर लिया गया है। कुयतुल के साथ उनकी पत्नी सेमरा कुयतुल, वकील बिलाल इपेक और फुरकान आंदोलन के कई सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है। कुयतुल की गिरफ्तारी ऐसे समय में हुई है, जब उन्होंने हाल ही ईरान-अमेरिका तनाव के दौरान रेचेप तैयप एर्दोगन की नीतियों की कड़ी आलोचना की थी। उन पर संगठित अपराध, धोखाधड़ी, मनी लॉन्ड्रिंग और टैक्स नियमों के उल्लंघन का आरोप लगाया गया है। तुर्की की स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, अडाना में शुरू हुई अल्पर्सलान कुयतुल क्रिमिनल ऑर्गनाइजेशन की जांच के तहत 6 प्रांतों में अभियान चलाया गया। इसके तहत कुयतुल और उनकी पत्नी समेत 56 संदिग्धों को हिरासत में लिया गया। अडाना की प्रांतीय पुलिस और संगठित अपराध शाखा की टीमों ने 19 अगस्त को इस ऑपरेशन की शुरुआत की। इसमें पहले 32 संदिग्ध पकड़े गए और बाद में 24 और संदिग्धों को हिरासत में लिया गया। कुयुतुल और उनके सहयोगियों पर आपराधिक संगठन बनाने, उसे चलाने और उसका सदस्य होने के साथ ही टैक्स कानून का उल्लंघन करने जैसे आरोप लगाए गए। अल्पर्सलान कुयतुल और उनकी पत्नी समेत 56 संदिग्धों को जरूरी कार्रवाई के बाद कोर्ट में भेजा गया। कुयतुल ने ईरान-अमेरिका युद्ध के दौरान तुर्की के राष्ट्रपति एर्दोगन की आलोचना करके सभी का ध्यान खींचा था। कुयतुल ने तुर्की की सरकार के अमेरिका और इजरायल के हमलों के खिलाफ स्पष्ट रुख अपनाने और ईरान व रेजिस्टेंस फ्रंट का साथ देने की अपील की थी।

लखनऊ से बेंगलुरु जाने वाले विमान में बम की धमकी वाला एक लेटर मिला

ये धमकी एक टिश्यू पेपर पर लिखी हुई थी

CDS चौहान का बड़ा खुलासा

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत ने सरगोधा को निशाना बनाने के बाद पाकिस्तान के स्कार्दू एयरबेस पर हमला करने की योजना बनाई थी। पूर्व चीफ ऑफ़ डिफेंस स्टाफ़ जनरल अनिल चौहान ने इसका खुलासा किया है और बताया कि भारतीय सेनाओं ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान गिलगित-बाल्टिस्तान में स्कार्दू को एक संभावित लक्ष्य के तौर पर चुना था, लेकिन "खराब मौसम" की वजह से उन्हें अपनी योजना बदलनी पड़ी। चौहान, जो 'ऑपरेशन सिंदूर' के समय सेना की कमान संभाल रहे थे, ने विवेकानंद इंटरनेशनल फ़ाउंडेशन में 'ऑपरेशन सिंदूर' और उसके बाद की स्थितियों पर बात करते हुए ये बातें कहीं।आतंकवाद-विरोधी ऑपरेशन को याद करते हुए पूर्व CDS चौहान ने कहा, "एक बार पाकिस्तानियों ने फ़ोन करके कहा कि वे सुबह करीब 10 बजे बात करना चाहते हैं। एयर चीफ़ ने मुझसे पूछा कि क्या उन्हें सरगोधा पर हमला करना चाहिए, तो मैंने कहा, आगे बढ़िए... मैंने कहा, क्या आप कृपया दो और टारगेट की पहचान कर सकते हैं? तो उन्होंने जो टारगेट पहचाने, उनमें से एक स्कार्दू था। उन्होंने आगे कहा, "हमने मंज़ूरी दे दी थी, लेकिन कुछ समय बाद वहां मौसम खराब हो गया और उन्हें अपना रुख बदलकर भोलाड़ी की ओर जाना पड़ा। चौहान ने यह भी साफ़ किया कि भारतीय सेना ने पाकिस्तान की किराना हिल्स को "निशाना नहीं बनाया"; कहा जाता है कि यह इलाका परमाणु सुविधा से जुड़ा है। उन्होंने एयर मार्शल एके भारती का समर्थन किया, जो उस समय वायु सेना में एयर ऑपरेशन्स के डायरेक्टर जनरल (DGAO) थे। भारती ने पिछले साल 12 मई को कहा था, "हमने किराना हिल्स पर हमला नहीं किया, वहां जो कुछ भी है।"चौहान ने कहा, "एयर मार्शल भारती से किराना हिल्स के बारे में एक सवाल पूछा गया था। मुझे लगता है कि मुझे इसे साफ़ करना चाहिए। कई बार यह पूछा गया है कि क्या किराना हिल्स पर हमला किया गया था; वहीं पर उनके (पाकिस्तान के) परमाणु ठिकाने हैं।

ओकिनावा और आसपास के द्वीपों से गुजरने के बाद तूफान अब पूर्वी चीन के तट की ओर बढ़ रहा

तूफान 'साउदेल' ओकिनावा और जापान के अन्य दक्षिण-पश्चिमी द्वीपों पर भारी तबाही मचाने के बाद बुधवार को पूर्वी चीन सागर के ऊपर पश्चिम की ओर बढ़ गया। तूफान के कारण तेज हवाओं, भारी बारिश और बिजली कटौती से जनजीवन प्रभावित हुआ है। अधिकारियों के मुताबिक, हादसों में दो लोग मामूली रूप से घायल हुए हैं। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी (JMA) के अनुसार, बुधवार देर सुबह टाइफून साउडेल ओकिनावा के ओकिनेराबू द्वीप से करीब 180 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में था। उस समय तूफान के साथ 144 किलोमीटर प्रति घंटे तक की रफ्तार से हवाएं चल रही थीं। एजेंसी ने बताया कि तूफान पश्चिम दिशा में आगे बढ़ रहा है और इसके पूर्वी चीन के तट तक पहुंचने की संभावना है। अग्निशमन एवं आपदा प्रबंधन एजेंसी और प्रांतीय अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि 'साउदेल' तूफान के कारण दो महिलाएं घायल हो गईं। ओकिनावा द्वीप के उरूमा शहर में अपने घर के बाहर खड़ी 78 वर्षीय एक महिला तेज हवाओं के कारण गिर गई, जिससे उसके सिर में चोट लग गई। वहीं पास के अमामिओशिमा द्वीप पर 70 वर्ष की एक महिला तूफान के कारण बिजली गुल होने के दौरान सीढ़ियों से गिरकर घायल हो गई। तूफान के कारण ओकिनावा के नाहा हवाई अड्डे से आने-जाने वाली करीब 150 उड़ानें रद्द कर दी गईं। वहीं, कागोशिमा प्रांत में 30 हजार से अधिक घरों की बिजली आपूर्ति प्रभावित हुई। क्यूशू इलेक्ट्रिक पावर कंपनी के मुताबिक, तूफान से अमामी क्षेत्र समेत कई इलाकों में बिजली कटौती हुई है।भारी बारिश ने भी चिंता बढ़ा दी है। JMA के अनुसार, अमामी क्षेत्र में पिछले 24 घंटे के दौरान 23 सेंटीमीटर से अधिक बारिश दर्ज की गई। एजेंसी ने गुरुवार दोपहर तक अमामी क्षेत्र में 10 सेंटीमीटर और ओकिनावा में 12 सेंटीमीटर तक बारिश होने का अनुमान जताया है।

नेपाल में बाढ़: चंद सेकेंड में बह गई इमारतें और पुल

नेपाल के उत्तरी जिले रसुवा में बुधवार सुबह भोट कोशी नदी में अचानक आई भीषण बाढ़ ने भारी तबाही मचाई है। बाढ़ के तेज बहाव में देखते ही देखते पक्के मकान और पुल ताश के पत्तों की तरह ढह गए। इस आपदा में कम से कम 16 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि कई लोग लापता हैं। नेपाल पर्यटन बोर्ड के अनुसार बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में 105 भारतीय नागरिकों समेत 384 पर्यटकों के लापता होने की सूचना है। भोट कोशी नदी, जो तिब्बत से निकलकर नेपाल की त्रिशूली नदी में मिलती है और आगे चलकर भारत में गंडक नदी के रूप में प्रवेश करती है, में तिब्बत की ओर से सुबह करीब 9 बजे अचानक जलस्तर बढ़ गया। बाढ़ ने रसुवा सीमा पर स्थित तिमुरे बाजार और सीमा शुल्क (कस्टम) क्षेत्र को बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया है। 'द काठमांडू पोस्ट' की रिपोर्ट के अनुसार, उत्तरगया ग्रामीण नगरपालिका की उपाध्यक्ष चमेली गुरुंग के अनुसार, स्याफ्रुबेसी, बेत्रावती, मैलुंग, सालेतार, शांतिबाजार, पारेबेसी और त्रिशूली सहित करीब एक दर्जन बस्तियां इस आपदा की चपेट में आई हैं। सोशल मीडिया पर सामने आए दिल दहला देने वाले वीडियो में कीचड़ से भरा पानी सार्वजनिक बुनियादी ढांचे और मकानों को बहाकर ले जाता दिख रहा है। एक वीडियो में एक पक्का पुल महज 30 सेकेंड में बीच से टूटकर पानी के प्रचंड वेग में बह गया। वहीं, एक अन्य वीडियो में जलमग्न बसों के पास एक मां अपनी लापता बेटी की तलाश में बिलखती नजर आई।नेपाल पर्यटन बोर्ड के अनुसार बाढ़ प्रभावित इलाके में कुल 384 पर्यटकों के लापता होने की सूचना है। इनमें 291 विदेशी और 93 नेपाली नागरिक बताए गए हैं। विदेशी पर्यटकों में 105 भारतीय नागरिक शामिल हैं। अधिकारियों की ओर से लापता लोगों की जानकारी जुटाई जा रही है।

नेपाल विद्युत प्राधिकरण के अनुसार, बाढ़ के कारण पनबिजली और सौर ऊर्जा संयंत्रों को भारी नुकसान पहुंचा है, जिससे लगभग 430 मेगावाट बिजली उत्पादन ठप्प हो गया है और कई इलाकों में बिजली आपूर्ति बाधित हुई है। नेपाली सेना और नेपाल पुलिस की टीमें प्रभावित इलाकों में व्यापक बचाव अभियान चला रही हैं। पुलिस प्रवक्ता अबी नारायण काफ्ले ने समाचार एजेंसी AFP बताया कि तटीय इलाकों में रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने का अलर्ट जारी किया गया है। वहीं, नुवाकोट, धादिंग, चितवन और गोरखा जिलों में भी त्रिशूली नदी के किनारे रहने वाले लोगों को अत्यधिक सतर्क रहने की हिदायत दी गई है।

संपादक की कलम से

महिला सशक्तीकरण केवल योजनाओं की घोषणा तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि उसका असर महिलाओं के जीवन में दिखाई देना चाहिए। उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से स्नातक की 50 हजार छात्राओं को स्कूटी देने और 60 वर्ष से अधिक उम्र की महिलाओं को रोडवेज बसों में मुफ्त यात्रा की सुविधा देने की घोषणा इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इन फैसलों को केवल राजनीतिक घोषणाओं के बजाय महिलाओं की शिक्षा, गतिशीलता और आत्मनिर्भरता से जोड़कर देखना चाहिए।उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाली छात्राओं के लिए आवागमन आज भी बड़ी चुनौती है। विशेषकर ग्रामीण और छोटे शहरों की छात्राओं के सामने कॉलेज तक पहुंचने, सुरक्षित परिवहन और आर्थिक संसाधनों की समस्या रहती है। ऐसे में स्कूटी जैसी सुविधा उनकी शिक्षा को निरंतर जारी रखने में मदद कर सकती है। लेकिन यह भी जरूरी है कि लाभार्थियों का चयन पारदर्शी हो और योजना का लाभ वास्तव में जरूरतमंद छात्राओं तक पहुंचे। केवल वाहन देना पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि सड़क सुरक्षा, ड्राइविंग प्रशिक्षण और यातायात नियमों के प्रति जागरूकता भी साथ-साथ जरूरी है।वहीं, 60 वर्ष से अधिक उम्र की महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा का फैसला सामाजिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। बुजुर्ग महिलाओं के लिए अस्पताल, रिश्तेदारों और अन्य जरूरी स्थानों तक पहुंचना कई बार आर्थिक कारणों से कठिन हो जाता है। मुफ्त यात्रा उन्हें अधिक स्वतंत्रता दे सकती है। हालांकि, इस योजना की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि बस सेवाएं पर्याप्त, सुरक्षित और नियमित हों।महिला सुरक्षा को लेकर सरकार द्वारा हेल्पलाइन, महिला हेल्पडेस्क, महिला बीट पुलिस और अन्य व्यवस्थाओं का उल्लेख किया गया है। सुरक्षा और सम्मान वास्तव में महिला स्वावलंबन की बुनियाद हैं। यदि कोई महिला सुरक्षित वातावरण में शिक्षा, रोजगार और व्यवसाय के अवसर हासिल कर सके, तभी सशक्तीकरण का वास्तविक उद्देश्य पूरा होगा।लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर के नाम पर योजना शुरू करना उनके प्रशासन, सेवा और महिला सम्मान की विरासत को याद करने का अवसर भी है। लेकिन किसी ऐतिहासिक व्यक्तित्व के नाम पर योजना रखने से अधिक महत्वपूर्ण है उसके मूल आदर्शों को जमीन पर उतारना।उत्तर प्रदेश में महिला सशक्तीकरण की अगली चुनौती घोषणाओं को प्रभावी क्रियान्वयन में बदलने की है। छात्राओं की शिक्षा, महिलाओं की सुरक्षा, बुजुर्गों की सुविधा और कामकाजी महिलाओं के लिए आवास जैसी योजनाएं तभी सफल मानी जाएंगी, जब उनका लाभ अंतिम पंक्ति में खड़ी महिला तक पहुंचे। महिला सशक्तीकरण का असली पैमाना यही होगा कि प्रदेश की हर बेटी और महिला खुद को सुरक्षित, सम्मानित और आत्मनिर्भर महसूस करे।

यूपी की बेटियों को बड़ी सौगात, 50 हजार छात्राओं को मिलेगी स्कूटी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महिला सशक्तीकरण को लेकर कई बड़े ऐलान किए।स्नातक की 50 हजार छात्राओं को अक्टूबर-नवंबर में स्कूटी देने के साथ 60 वर्ष से अधिक उम्र की महिलाओं को रोडवेज बसों में मुफ्त यात्रा की सुविधा मिलेगी।रक्षाबंधन पर 27 से 29 अगस्त तक महिलाएं एक सहयात्री के साथ रोडवेज और सिटी बसों में मुफ्त सफर कर सकेंगी।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को घोषणा की कि स्नातक में पढ़ने वाली 50 हजार छात्राओं को अक्टूबर-नवंबर में स्कूटी दी जाएंगी। मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने यहां 'लोकमाता अहिल्याबाई मातृशक्ति यात्रा' योजना की शुरुआत की, जिसके तहत 60 वर्ष और उससे अधिक उम्र की महिलाओं को उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम (रोडवेज) की बसों में मुफ्त यात्रा की सुविधा मिलेगी। लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि रक्षाबंधन के अवसर पर 27, 28 और 29 अगस्त को महिलाएं अपने एक सहयात्री के साथ रोडवेज और सिटी बसों में निःशुल्क यात्रा कर सकेंगी। उन्होंने कहा कि इसके बाद 60 वर्ष से अधिक उम्र की सभी महिलाओं को मुफ्त बस यात्रा की सुविधा मिलेगी। योगी ने कहा कि महिला स्वावलंबन और सम्मान की बात होने पर लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर का नाम श्रद्धा से लिया जाता है। उन्होंने कहा कि अहिल्याबाई साहस और स्वाभिमान की प्रतीक थीं, इसलिए योजना का नाम उनके नाम पर रखा गया है। एक बयान के मुताबिक मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में लगभग साढ़े 12 करोड़ आधी आबादी है और सरकार महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान, स्वावलंबन व नेतृत्व की यात्रा में सहभागी है। उन्होंने कहा, "हर बेटी-बहन-माता आत्मनिर्भर महसूस करे, यही हमारी नीति है। 'डबल-इंजन' सरकार ने बेटी के जन्म से लेकर उसकी पढ़ाई, सुरक्षा, रोजगार, आय और उसके सपनों की उड़ान को परिवेशी तंत्र से जोड़ने का काम किया है।" मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा के लिए प्रदेश में मिशन शक्ति केंद्र, एआई आधारित 'सेफ सिटी' नेटवर्क तथा 1090 और 112 का एकीकृत प्रतिक्रिया प्रणाली मौजूद है। उन्होंने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा से किसी भी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा, "देश जब मुगल आक्रांताओं की चपेट में था, उस समय लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर ने सुशासन, आध्यात्मिक/सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण व महिला स्वावलंबन का आदर्श उदाहरण प्रस्तुत किया था। काशी विश्वनाथ, सोमनाथ समेत देश में सैकड़ों मंदिर का पुनरुद्धार लोकमाता ने किया था।" उन्होंने कहा कि लखनऊ, कानपुर, आगरा, गाजियाबाद, मुरादाबाद, बरेली, प्रयागराज, अयोध्या, गोरखपुर, वाराणसी, झांसी सभी जनपदों में अहिल्याबाई होल्कर के नाम पर कामकाजी महिलाओं के लिए छात्रावास का निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक हॉस्टल में 500 कामकाजी महिलाओं के निःशुल्क रहने की व्यवस्था रहेगी। योगी आदित्यनाथ ने आरोप लगाते हुए कहा, "2017 के पहले 'देख सपाई-बिटिया घबराई' का नारा तत्कालीन शासन मॉडल का नाम था, जब हर बेटी की सुरक्षा पर संकट था। सुरक्षा, सम्मान नहीं था तो स्वावलंबन कहां से होता। एकीकृत हेल्पलाइन, कमान प्रणाली, सीसीटीवी नेटवर्क, महिला बीट प्रणाली, महिला हेल्पडेस्क भी नहीं थी। पेंशन व छात्रवृत्ति बिचौलिए तय करते थे। पुष्टाहार पर माफिया का नियंत्रण था। उत्सव से पहले उपद्रव होते थे। कर्फ्यू लगने पर माताओं-बहनों को सर्वाधिक परेशानी होती थी।" उन्होंने कहा कि देश में पहली बार उत्तर प्रदेश में महिला बीट पुलिस की तैनाती हुई। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में 2017 में 10,000 महिला पुलिसकर्मी थीं, अब यह संख्या 45,000 हो गई है। उन्होंने कहा, "हमने पुलिस भर्ती में 20 फीसदी बेटियों की भर्ती अनिवार्य की। अभी 32 हजार भर्ती प्रक्रिया में है। पहले बेटी की सुरक्षा किस्मत पर निर्भर थी, आज सिस्टम, डेटा व टेक्नोलॉजी पर है। बेटी घर से निकले, काम/कारोबार करे और रात में सुरक्षित घर लौट आए, सरकार यह गारंटी दे रही है।" योगी ने कहा कि सम्मान तब आता है, जब महिला के घर में शौचालय, बिजली, रसोई में धुआंमुक्त ईंधन, नल में जल और खाते में सीधे पैसा पहुंचे और विपत्ति में सरकार साथ खड़ी हो। उन्होंने कहा, "हर घर शौचालय माताओं, बहनों की गरिमा का आधार था। 'उज्ज्वला' ने केवल धुएं से राहत नहीं दी, बल्कि फेफड़े खराब होने वाली बीमारियों से भी मुक्ति दी

लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के संगठन में बड़ा फेरबदल

लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) ने बुधवार को संगठन में बड़ा फेरबदल किया है। पार्टी ने कई राज्यों के प्रदेश अध्यक्षों और राष्ट्रीय पदाधिकारियों की नियुक्ति की है। पार्टी प्रमुख चिराग पासवान ने नए पदाधिकारियों की घोषणा करते हुए सभी को सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं। चिराग पासवान ने सुरेंद्र विवेक को बिहार प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है, जबकि बिहार के विधायक राजू तिवारी को राष्ट्रीय महासचिव की जिम्मेदारी दी गई है। सुरेंद्र विवेक ने 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव में साहेबपुर कमाल सीट से एलजेपी (रामविलास) के उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ा था। हालांकि, उन्हें आरजेडी प्रत्याशी से हार का सामना करना पड़ा। आगामी विधानसभा चुनावों को देखते हुए चिराग पासवान ने पार्टी संगठन में व्यापक बदलाव किया है। उत्तर प्रदेश में 2027 में विधानसभा चुनाव होने हैं। पार्टी ने राजीव पासी को पूर्वी उत्तर प्रदेश का अध्यक्ष और मध्य यूपी का कार्यकारी अध्यक्ष बनाया है। वहीं पवन कुमार वर्मा को पश्चिमी उत्तर प्रदेश की जिम्मेदारी सौंपी गई है। गौरतलब है कि 2022 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में एलजेपी (रामविलास) को एक भी सीट पर जीत नहीं मिली थी। इसके अलावा अमर सिंह मेहमी को पंजाब, विशाल सिंह ठाकुर को उत्तराखंड, खोइराम दीपु सिंह को मणिपुर, नितिन चौहान को हिमाचल प्रदेश और आशीष कुमार पटेल को गुजरात का प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया है। पार्टी ने मनीशंकर पांडे, मोहम्मद शमीम एम. हवा, वीरेंद्र प्रधान, कुंवर असीम खान, सत्यानंद शर्मा और कमला कुमारी** को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नियुक्त किया है। वहीं अब्दुल खलीक को राष्ट्रीय सचिव महासचिव और सांसद राजेश वर्मा को राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है। राष्ट्रीय महासचिव के पद पर मिथिलेश कुमार सिंह, राजू तिवारी, वीणा देवी, अजय कुमार, पंकज अरोड़ा, केपी चौधरी, वीरेंद्र बिधूड़ी, सुखातो ए. सेमा, धीरेंद्र कुमार सिन्हा', अशरफ अंसारी, अरविंद कुमार सिंह और सी. विद्याराधन को नियुक्त किया गया है। पार्टी ने प्रणब कुमार को युवा विंग का अध्यक्ष और चंद्र प्रभा भाटिया को महिला विंग की अध्यक्ष बनाया है। वहीं अब्दुल खलीक को अल्पसंख्यक विंग का अस्थायी प्रभार सौंपा गया है। चिराग पासवान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर नए राष्ट्रीय पदाधिकारियों की घोषणा करते हुए लिखा- लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के सभी नवनियुक्त राष्ट्रीय पदाधिकारियों को हार्दिक बधाई और सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं।

नागेंद्र को वाल्मीकि निगम घोटाले में क्लीन चिट
जल्द मंत्रिमंडल में शामिल होंगी महिला मंत्री: शिवकुमार

कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने बुधवार को कथित वाल्मीकि निगम घोटाले को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि पूर्व मंत्री बी. नागेंद्र को आधिकारिक जांच रिपोर्ट में घोटाले में शामिल नहीं पाया गया, जिसके बाद उन्हें दोबारा मंत्रिमंडल में शामिल करने का फैसला किया गया। शिवकुमार ने स्पष्ट किया कि इस पूरे मामले में नागेंद्र की कोई भूमिका नहीं थी। उन्होंने कहा, "यह नागेंद्र ने नहीं किया था।"मुख्यमंत्री के मुताबिक, कथित घोटाले की जांच के दौरान करीब 95 प्रतिशत धनराशि बरामद कर ली गई। उन्होंने कहा कि घोटाले के सामने आने के बाद बी. नागेंद्र ने मंत्री पद से इस्तीफा दिया था। उस समय मामले की जांच शुरू हुई और जांच पूरी होने के बाद आधिकारिक रिपोर्ट में उनकी संलिप्तता नहीं पाई गई। इसके बाद उन्हें दोबारा मंत्रिमंडल में जगह दी गई।शिवकुमार ने कहा कि सरकार ने जांच रिपोर्ट के आधार पर ही नागेंद्र को मंत्रिमंडल में शामिल किया है। उनके बयान के बाद एक बार फिर वाल्मीकि निगम घोटाले को लेकर राजनीतिक चर्चा तेज हो गई है। विपक्ष इस मामले को लेकर पहले भी सरकार पर सवाल उठाता रहा है।जल्द महिला मंत्री की नियुक्तिकर्नाटक मंत्रिमंडल में महिलाओं के प्रतिनिधित्व को लेकर पूछे गए सवाल पर डी.के. शिवकुमार ने कहा कि जल्द ही एक महिला को मंत्री बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी

महिला सशक्तीकरण के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने बताया कि महिला मंत्री को मंत्रिमंडल में शामिल करने की प्रक्रिया चल रही है और अगले कुछ दिनों में इस संबंध में फैसला लिया जा सकता है।बता दें कि 3 अगस्त 2026 को बेंगलुरु स्थित राजभवन के ग्लास हाउस में कर्नाटक सरकार का पहला मंत्रिमंडल विस्तार हुआ था। राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने नए मंत्रियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई थी। इस विस्तार में कुल 19 मंत्रियों को शामिल किया गया था। कांग्रेस ने 20 नामों की घोषणा की थी, लेकिन विधान परिषद सदस्य गायत्री शांतिगौड़ा का नाम अंतिम समय में सूची से हटा दिया गया।फिलहाल कर्नाटक में 34 स्वीकृत मंत्री पदों के मुकाबले 33 मंत्री हैं। इसलिए माना जा रहा है कि एक पद महिला मंत्री को शामिल करने के लिए खाली रखा गया है। हालांकि, मुख्यमंत्री ने अभी यह स्पष्ट नहीं किया है कि नई महिला मंत्री कौन होंगी।कावेरी जल विवाद पर भी शिवकुमार का बयानकावेरी जल विवाद पर मुख्यमंत्री शिवकुमार ने कहा कि कर्नाटक सरकार सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का पालन करेगी। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु को कावेरी नदी का पानी छोड़ने के संबंध में राज्य सरकार अदालत के आदेश के अनुरूप ही कार्रवाई करेगी।मेकेदातु परियोजना का जिक्र करते हुए शिवकुमार ने कहा कि यह परियोजना कर्नाटक के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। इसका मुख्य उद्देश्य बेंगलुरु के साथ-साथ तमिलनाडु की पेयजल जरूरतों को पूरा करना है। उन्होंने कहा कि कावेरी नदी से जुड़े मुद्दों पर राज्य सरकार कानूनी प्रक्रिया और अदालत के निर्देशों के अनुसार आगे बढ़ेगी।

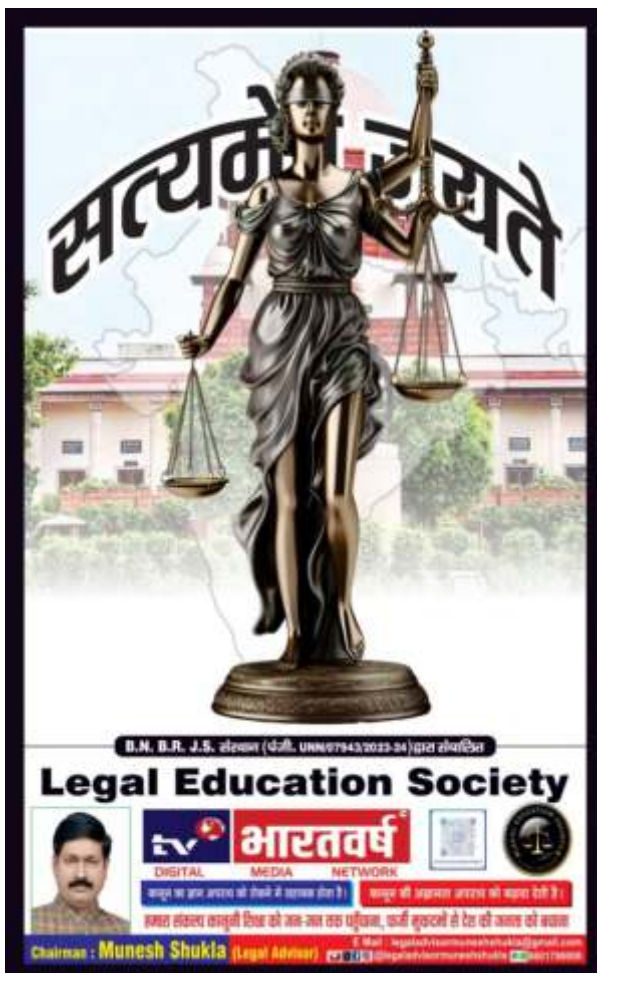

NEET UG 2026: BHU में MBBS की बढ़ी डिमांड जनरल की क्लोजिंग रैंक 1,043; 100 सीटों पर दाखिला

नीट यूजी 2026 काउंसलिंग के राउंड-1 के रिजल्ट के बाद मेडिकल एडमिशन तस्वीर सामने है। मेडिकल काउंसलिंग कमेटी (MCC) ने राउंड-1 का फाइनल सीट अलॉटमेंट रिजल्ट में तकरीबन 29,946 MBBS और BDS सीटों का आवंटन हुआ है। इस बार छात्रों की मेडिकल कॉलेजों की पसंद को लेकर AIIMS के साथ ही केंद्रीय विश्वविद्यालयों पर भी नजर है। खास तौर पर बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी (BHU) जैसे प्रतिष्ठित संस्थान MBBS के लिए केंद्रीय विश्वविद्यालयों में सबसे आगे है। ऐसे में राउंड-1 के सीट अलॉटमेंट और उम्मीदवारों की पसंद के आधार पर जानते हैं कि BHU में क्लोजिंग रैंक क्या रही और एडमिशन के लिए कितनी सीटे हैं। एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट केकरियर काउंसलिंग एक्सपर्ट पारिजात मिश्रा ने बताया कि इस साल AIIMS के बाद अगर केंद्रीय विश्वविद्यालयों में मेडिकल एडमिशन को देखा जाए तो बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी (BHU) की डिमांड बढ़ी है। केंद्रीय विश्वविद्यालयों की श्रेणी में इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (IMS), बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू), वाराणसी सबसे ज्यादा मांग वाले संस्थानों में शामिल रहा। यहां सामान्य वर्ग की क्लोजिंग रैंक 1,043 रही। वहीं, जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में आल इंडिया कोटा के सामान्य वर्ग की क्लोजिंग रैंक 4,310 रही, जबकि इसके आंतरिक कोटा कैंडिडेट्स के लिए यह 19,636 तक गई। गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय से संबद्ध वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज (VMMC) एवं अटल बिहारी वाजपेयी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (ABVIMS) के राज्य कोटा में सामान्य वर्ग की क्लोजिंग रैंक 6717, ईडब्ल्यूएस 9902 ओबीसी 12527, एससी 61,656 और एसटी कैटेगरी में 1,24,759 दर्ज की गई। नीट यूजी 2026 के तहत अखिल भारतीय कोटा (AIQ) की पहले राउंड काउंसलिंग का सीट अलॉटमेंट रिजल्ट आने के बाद BHU की कैटेगरी वाइज क्लोजिंग रैंक भी सामने आ गई है। इसी के आधार पर मेडिकल प्रवेश के लिए सीटों का आवंटन किया गया है। IMS BHU MBBS राउंड-1 क्लोजिंग रैंक (Closing Rank) 2026 इस प्रकार रही है-

जनरल- 1,043

EWS- 2,017

OBC- 1,620

SC- 14,522

ST- 21,083

मेडिकल एक्सपर्ट के अनुसार, बीएचयू की ऊपर दी गई क्लोजिंग रैंक NEET UG 2026 काउंसलिंग के राउंड-1 सीट अलॉटमेंट रिजल्ट पर आधारित है। आगे होने वाले राउंड में सीटों की उपलब्धता और उम्मीदवारों की पसंद के अनुसार क्लोजिंग रैंक में बदलाव हो सकता है। बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी के इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (IMS) में MBBS की 100 सीटें हैं। इन सीटों पर दाखिला NEET-UG के आधार पर होता है और BHU की MBBS सीटों की काउंसलिंग MCC के जरिए की जाती है। MCC के अनुसार BHU की 100% MBBS सीटें उसकी UG काउंसलिंग के दायरे में आती हैं।

यूजीसी नेट कैंडिडेट्स के लिए बड़ी अपडेट सामने आई है। सर की और रिजल्ट इस सप्ताह जारी किए जाएंगे

यूजीसी नेट जून 2026 परीक्षा में शामिल कैंडिडेट्स का रिजल्ट को लेकर इंतजार जल्द खत्म होने वाला है। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (NTA) ने अपडेट जारी करते हुए बताया है कि UGC NET के 84 विषयों की फाइनल आंसर की और रिजल्ट इस सप्ताह N T A की आधिकारिक वेबसाइट पर प्रकाशित किए जाएंगे। इसके साथ ही CSIR-NET और ICAR AIEEA (PG) तथा AICE (PhD) 2026 के फाइनल आंसर की और परिणाम भी जारी किए जाने हैं।

ऐसे में उम्मीदवारों को रिजल्ट और फाइनल आंसर की से जुड़ी जानकारी के लिए केवल N T A की आधिकारिक वेबसाइट पर भरोसा करने की सलाह दी गई है। रिजल्ट जारी होने के बाद स्कोरकार्ड डाउनलोड करने के लिए यहां डिटेल देख सकते हैं। NTA के ऑफिशियल ट्वीट में कहा गया है कि UGC-NET (84 विषय), CSIR-NET और ICAR AIEEA (PG) व AICE (PhD) 2026 के लिए फाइनल आंसर की और रिजल्ट इस सप्ताह NTA की वेबसाइट पर जारी किए जाएंगे। उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे सिर्फ NTA की आधिकारिक सूचनाओं पर ही भरोसा करें। जूनियर रिसर्च फेलोशिप देने, असिस्टेंट प्रोफेसर के तौर पर पात्रता और PhD प्रोग्राम में एडमिशन के लिए UGC NET परीक्षा 22 जून से 30 जून, 2026 तक 87 विषयों में आयोजित की गई थी। 84 विषयों के लिए प्रोविजनल आंसर-की 16 अगस्त को जारी की गई थी और आपत्ति दर्ज कराने का टाइम 18 अगस्त 2026 को खत्म हो गया था। NTA ने कई गलतियों की शिकायतों के बाद3 विषयों के UGC NET परीक्षा पेपर दोबारा आयोजित करने का फैसला किया है। इसलिए इन विषयों की आंसर की जारी नहीं की गई थी। इंग्लिश, कॉमर्स और सोशियोलॉजी की परीक्षा सितंबर 2026 में आयोजित की जाएगी। इससे जुड़ी ज्यादा जानकारी के लिए उम्मीदवार UGC NET की आधिकारिक वेबसाइट देख सकते हैं।

सोनल दिनुशा ने भारत के खिलाफ लगातार दूसरे टेस्ट में जड़ी सेंचुरी

मिचेल स्टार्क 10 विकेट लेकर टेस्ट रैंकिंग में दुनिया के नंबर-1 गेंदबाज बन गए

ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क अपने 15 साल के इंटरनेशनल करियर में पहली बार आईसीसी मेंस टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में दुनिया के नंबर-1 गेंदबाज बन गए हैं। स्टार्क ने भारतीय पेस स्टार जसप्रीत बुमराह के लंबे समय से चले आ रहे दबदबे को खत्म करते हुए यह टॉप स्थान हासिल किया। बुमराह, जो नवंबर 2024 से लगातार टॉप पर बने हुए थे, श्रीलंका के खिलाफ जारी टेस्ट सीरीज का हिस्सा नहीं हैं। इसका फायदा उठाते हुए स्टार्क ने बांग्लादेश के खिलाफ मैके में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच में 10 विकेट झटककर रैंकिंग में दो स्थानों की छलांग लगाई और बुमराह और न्यूजीलैंड के मैट हेनरी को पीछे छोड़ दिया। बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर ज्यादा बदलाव देखने को नहीं मिला है। इंग्लैंड के हैरी ब्रुक पहले और जो रूट दूसरे स्थान पर बरकरार हैं। ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ और ट्रैविस हेड क्रमश तीसरे और चौथे स्थान पर बने हुए हैं। इसी बीच टीम इंडिया के स्टार विकेटकीपर भी रैंकिंग में ऊपर आ गए हैं। भारतीय टीम के लिए सबसे बड़ी खुशखबरी ऋषभ पंत को लेकर आई है। गॉल में श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट की दूसरी पारी में धमाकेदार अर्धशतक जड़ने वाले पंत 6 पायदान की छलांग लगाकर संयुक्त रूप से 7वें स्थान पर पहुंच गए हैं। पंत अब मारनस लाबुशेन के साथ संयुक्त रूप से सातवें पायदान पर हैं, जिससे शीर्ष-10 में भारत की मौजूदगी मजबूत हुई है।स्टार्क की इस छलांग के कारण जसप्रीत बुमराह 638 दिनों के बाद दूसरे स्थान पर खिसक गए हैं, जबकि मैट हेनरी तीसरे स्थान पर आ गए हैं। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस मैके टेस्ट में 6 विकेट लेकर चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि ऑफ स्पिनर नाथन लियोन दो पायदान ऊपर चढ़कर 10वें स्थान पर आ गए हैं। दूसरी ओर, पाकिस्तान के खिलाफ हेडिंग्ले टेस्ट में शानदार प्रदर्शन करने वाले इंग्लैंड के ओली रोबिन्सन 15 पायदान की छलांग लगाकर 11वें स्थान पर और जोश टंग 16 पायदान चढ़कर 17वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

चौथे दिन चायकाल तक श्रीलंका ने अपनी दूसरी पारी में तीन विकेट पर 199 रन बना लिए

पासिंदु सूरियाबंडारा ने भारतीय गेंदबाजों का पूरे एक सत्र तक डटकर सामना करते हुए नाबाद 90 रन बनाए जिससे श्रीलंका ने बुधवार को यहां दूसरे और अंतिम टेस्ट के चौथे दिन चाय तक अपनी दूसरी पारी में तीन विकेट पर 199 रन बना लिए। चाय के समय कप्तान धनंजय डिसिल्वा चार रन बनाकर सूरियाबंडारा का साथ दे रहे थे। श्रीलंका अब भारत से सिर्फ 14 रन पीछे है। दूसरे सत्र की सबसे खास बात सूरियाबंडारा और कामिंदु मेंडिस के बीच तीसरे विकेट के लिए हुई 115 रन की साझेदारी रही। मेंडिस ने 92 गेंदों पर 55 रन की पारी खेली। पहली पारी में 213 रन से पिछड़ने के बाद फॉलोऑन खेलने के लिए उतरी श्रीलंका के लिए इन दोनों बल्लेबाजों ने 110 मिनट तक भारतीय गेंदबाजों का डटकर सामना किया और टीम को संकट से बाहर निकाला। श्रीलंका की दूसरी पारी का प्रदर्शन पहली पारी के मुकाबले काफी बेहतर रहा क्योंकि टीम पहली पारी 290 रन पर ऑलआउट हो गई थी जिसमें सोनल दिनुशा ने श्रृंखला का अपना दूसरा शतक लगाते हुए 103 रन की पारी खेली थी। लेकिन दूसरी पारी में सूरियाबंडारा और मेंडिस की साझेदारी बिल्कुल भी रक्षात्मक नहीं थी। दोनों बल्लेबाजों ने खुलकर बल्लेबाजी करते हुए गेंदबाजों पर लगातार दबदबा बनाया। मेंडिस ने मानव सुथार की गेंदों पर दो छक्के जड़े और बाएं हाथ के स्पिनर को दबाव बनाने का बिलकुल भी मौका नहीं दिया। फिर सूरियाबंडारा ने भी सुथार की गेंद पर स्लॉग-स्वीप करते हुए एक छक्का लगाया। इस सीरीज में पहली बार युवा स्पिनर सुथार संघर्ष करते नजर आए।

ऋषभ पंत की चालाकी के चलते शतक से पहले पासिंदू ने फेंका विकेट पंत की ये चालाकी भरी बातचीत स्टंप माइक में कैद हो गई

भारत और श्रीलंका के बीच दूसरा टेस्ट मैच कोलंबो के सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब ग्राउंड पर खेला जा रहा है। टेस्ट के चौथे दिन टी ब्रेक के बाद श्रीलंका ने दूसरी पारी में 6 विकेट खोकर अपने स्कोर को 220 के पार पहुंचा दिया है। अब वह भारत के सामने लक्ष्य रखने की स्थिति में पहुंच गया है। मेजबान टीम को चायकाल के बाद सबसे बड़ा झटका पासिंदु सूरियाबंदारा के रूप में लगा। वह 173 गेंदों पर 92 रन बनाकर स्टंप आउट हुए। जबकि इससे पहले वह एलबीडब्ल्यू आउट होने से बाल-बाल बचे थे। उनकी हड़बड़ाहट को ऋषभ पंच पहले ही समझ गए थे। दरअसल, सूरियाबंदरा के आउट होने से पहले ऋषभ पंत की कुछ बातचीत स्टंप माइक में कैद हुई है। इनसाइड एज की वजह से डीआरएस से एलबीडब्ल्यू का फैसला बदलने के बाद पंत को लगा कि बैट्समैन बेचैन हो रहा है। पंत ये भांपते हुए तुरंत मिड-ऑन के फील्डर को तैयार रहने को कहा। पासिंदू ने अगली बॉल पर आगे बढ़कर मारने का प्रयास किया, लेकिन मानव सुथार ने ऑफ के बाहर वाइडर बॉल फेंकी। पंत ने बगैर देर किए सफलतापूर्वक स्टंपिंग कर दी। इस तरह पंत ने बड़ी ही चालाकी से पासिंदु को अपना शतक पूरा करने से रोक दिया। पहली पारी में 290 के स्कोर पर ऑलआउट होने के कारण श्रीलंका को फॉलोऑन खेलने के लिए मजबूर होना पड़ा। दूसरी पारी में भी मेजबान टीम की शुरूआत अच्छी नहीं रही और लाहिरू उदारा सिर्फ 3 रन बनाकर आउट हुईं। इसके बाद दूसरे विकेट के लिए सूरियाबंदारा और कामिल मिशारा ने मिलकर अर्धशतकीय साझेदारी निभाई और 58 रन जोड़े। कामिल 39 गेंदों में 32 रन बनाकर आउट हुए। 63 के स्कोर पर 2 विकेट गंवाने के बाद श्रीलंका की पारी को कामिंदु मेंडिस ने सूरियाबंदारा के साथ मिलकर संभाला। दोनों ने मिलकर 170 गेंदों में 115 रन जोड़े। मेंडिस 92 गेंदों में 55 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद कप्तान धनंजय डी सिल्वा 23 रन बनाकर आउट हुए। फिर 212 के स्कोर पर सूरियाबंदारा के रूप में श्रीलंका को सबसे बड़ा झटका लगा। भारतीय टीम ने अपनी पहली पारी 9 विकेट खोकर 503 रन बनाने के बाद घोषित की थी, जिसके जवाब में श्रीलंका की पहली पारी 290 रन पर सिमट गई थी।

आधे दाम में मिलेंगी घर की चमचमाती टाइल्स

घर बनाने और इसे फिनिशिंग टच देने में फ्लोरिंग का काम इसका एक अहम हिस्सा होता है. सुंदर फ्लोर घर की खूबसूरती में चार चांद लगा देते हैं. घर के फ्लोर को आकर्षक और अलग लुक देने में टाइल्स की भूमिका भी अहम होती है. बाजार में तरह- तरह के और अलग- अलग डिजाइन टाइल्स मौजूद हैं. इनके रेंज भी अलग-अलग हैं. कुछ टाइल्स की लागत 20 रुपये स्क्वायर फीट भी है तो कुछ की 500 रुपये तक भी है. ऐसे में जानते हैं भारत में टाइल्स की सबसे सस्ती डील कहां मिल सकती है. जहां से हम आधे रेट पर ही टाइल खरीद सकते हैं. भारत में सबसे सस्ती टाइल्स की डील

मोरबी में मिल सकती है. मोरबी, गुजरात का एक शहर है. यह शहर भारत की सिरेमिक राजधानी है. यहां एक ही जगह पर टाइल्स बनाने की हजारों फैक्ट्रियां है. इस वजह से यहां टाइल काफी सस्ते में मिल जाती है. साथ ही यहां टाइल्स मैन्युफेक्चरिंग की लागत भी काफी कम है. ⊙

शख्स ने टैक्सी में खोल दी दुकान!

दुनिया में बिजनेस करने के लिए आइडिया की कमी नहीं है. कुछ आइडिया ऐसे भी होते हैं, जिनमें कमाई तो होती ही है, साथ ही आपका नाम और वीडियो भी वायरल हो जाता है.

आज कहानी बैंकॉक के एक ऐसे टैक्सी ड्राइवर की है, जिसकी अनोखी सोच के चर्चे अब सोशल मीडिया पर दुनिया भर में हो रहे हैं. वीडियो कंटेंट क्रिएटर @flo-raandnote ने शेयर किया है, जो अपनी रील्स में दुनिया की दिलचस्प और मजेदार चीजें दिखाते रहते हैं. इस बार उन्होंने बैंकॉक के एक टैक्सी ड्राइवर की कैब दिखाई, जिसने अपनी गाड़ी को सिर्फ टैक्सी नहीं, बल्कि एक चलती-फिरती छोटी दुकान बना दिया है. खास बात यह है कि इस 'मिनी मार्ट' में

रखा सामान यात्रियों को मुफ्त मिलता है. वीडियो में यात्री ड्राइवर से पूछते हैं कि क्या सच में यहां रखा सारा सामान मुफ्त है. जवाब 'हां' में मिलने पर उनकी हैरानी और बढ़ जाती है. टैक्सी के अंदर टूथब्रश, मोजे, शीशा, बेबी पाउडर और यहां तक कि कैट फूड भी रखा दिखाई देता है. ड्राइवर यात्रियों को पानी और कॉफी भी ऑफर करता है. बताया गया कि यात्रियों को यह अनोखा आइडिया इतना पसंद आता है कि वे अक्सर ड्राइवर को अच्छी टिप दे देते हैं. ड्राइवर उन्हीं टिप्स का इस्तेमाल टैक्सी में रखा सामान दोबारा खरीदने के लिए करता है. यानी एक तरह से यात्रियों की टिप से ही यह 'फ्री मिनी मार्ट' चलता रहता है. ⊙

न्यूजीलैंड में बीमार बच्चे को नहीं मिला डॉक्टर

विदेश में सेटल होने के बाद अक्सर लोग बेहतर सुविधाओं की उम्मीद करते हैं, लेकिन हकीकत हमेशा वैसी नहीं होती. न्यूजीलैंड में रहने वालीं एक भारतीय महिला का हाल ही में शेयर किया गया एक वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है, जिसमें उन्होंने अपने बीमार बच्चे को डॉक्टर दिखाने में हुई परेशानी बताई है. इंस्टाग्राम यूजर अकृति जायसवाल श्रीवास्तव ने बताया कि उनके बेटे केविथ को लगातार 10 दिनों से खांसी थी. ⊙

कई कारों से टकराया, एक महिला की गई जान

अचानक सड़क पर उतरा प्लेन

हाईवे पर अचानक एक प्लेन की इमरजेंसी लैंडिंग हो गई. इससे अफरा-तफरी मच गई और विमान की चपेट में आई एक कार के अंदर बैठी महिला की मौत हो गई.

कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया में एक ऐसा हादसा हुआ, जिसे देखकर वहां मौजूद लोगों को यकीन ही नहीं हुआ. एक छोटे विमान के इंजन में अचानक खराबी आ गई और पायलट को हाईवे पर ही इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी.

विमान सड़क पर उतरते ही कई कारों से टकरा गया. इस हादसे में एक कार में अपनी बेटी के साथ जा रही महिला की मौत हो गई,

जबकि कई लोग घायल हो गए. यह घटना प्रिंस जॉर्ज शहर की है. हादसे का शिकार हुई महिला की पहचान एलेक्स गार्न्यू के रूप में हुई है. वह अपने पति जॉर्डन और दो बच्चों जोसी और जैक्सन के साथ रहती थीं. हादसे के वक्त उनकी बेटी जोसी भी कार में मौजूद थी. विमान के कार से टकराने के बाद एलेक्स की जान चली गई, जबकि उनकी बेटी जोसी हादसे में लगभग सुरक्षित बच गई. रिपोर्ट के मुताबिक, एक ट्विन-इंजन विमान प्रिंस जॉर्ज एयरपोर्ट की तरफ जा रहा था. विमान को अभी एयरपोर्ट तक करीब 13 मील यानी लगभग 21 किलोमीटर का सफर तय करना था, लेकिन रास्ते में उसके एक इंजन ने काम करना बंद कर दिया. ऐसे हालात में पायलट के पास विमान को सड़क पर उतारने के अलावा कोई विकल्प नहीं था. ⊙

एक कार से कुछ ही फीट दूर रुका विमान

हादसे में शामिल एक अन्य ड्राइवर मोहित अरोड़ा ने बताया कि विमान का एक प्रोपेलर उनकी कार से टकराते-टकराते बचा. उनके मुताबिक, विमान उनकी कार से करीब 10 फीट आगे जाकर रुका. उन्होंने कहा कि अगर विमान का पंखा या ब्लेड उनकी कार से टकरा जाता तो स्थिति और भी भयावह हो सकती थी. उन्होंने खुद को बेहद भाग्यशाली बताया. हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई. राहत और बचाव टीमों ने वहां मौजूद लोगों की जांच की. कुल 10 लोगों का मौके पर मेडिकल असेसमेंट किया गया.

Toxic Review: यश की दमदार गैंगस्टर दुनिया

शानदार एक्शन और विजुअल्स के बीच 194 मिनट की कहानी हुई ओवरलोड

फिल्म की कहानी 1940 के दशक के गोवा के अंडरवर्ल्ड और आपराधिक साम्राज्य के इर्द-गिर्द बुनी गई है। कहानी के केंद्र में है 'राया' (यश), एक ऐसा निर्दयी गैंगस्टर जिसकी जिंदगी हिंसा, असीमित महत्वाकांक्षा और पेचीदा रिश्तों के ताने-बाने से घिरी हुई है। राया के जीवन में उसकी बड़ी बहन गंगा (नयनतारा) एक मजबूत और महत्वपूर्ण स्तंभ की तरह खड़ी है। राया के इर्द-गिर्द कई महिलाएं मौजूद हैं नाडिया (कियारा आडवाणी), रेबेका (तारा सुतारिया), मेलिसा (रुक्मिणी वसंत) और एलिजाबेथ (हुमा कुरैशी)। ये सभी किरदार अलग-अलग परिस्थितियों में राया की जिंदगी से जुड़े हुए हैं। कहानी में सबसे बड़ा मोड़ तब आता है जब फिल्म में 'टिकट' नाम के एक अन्य किरदार का प्रवेश होता है, जिसे खुद यश ने ही निभाया है। फिल्म के सेकंड हाफ में राया और टिकट के बीच का कनेक्शन और टकराव कहानी का सबसे अहम पहलू बन जाता है। कागजों पर देखा जाए तो कहानी में काफी गहराई और नयापन है। राया सिर्फ ताकत और सत्ता के पीछे भागने वाला पारंपरिक गैंगस्टर नहीं है; फिल्म उसके भावनात्मक फैसलों, उसके आंतरिक विरोधाभासों और उसके आस-पास के उन लोगों को भी तलाशने की कोशिश करती है जो या तो उसे बढ़ावा देते हैं या उसे चुनौती देते हैं। निर्देशक गीतू मोहनदास ने यह साफ कर दिया है कि वे एक साधारण या घिसी-पिटी गैंगस्टर फिल्म नहीं बनाना चाहती थीं। यही 'टॉक्सिक' की सबसे बड़ी खासियत भी है और इसकी कमजोरी भी। फिल्म में एक मास एंटरटेनर के सभी तत्व मौजूद हैं, एक शक्तिशाली मुख्य किरदार, खौफनाक हिंसा, बैकग्राउंड म्यूजिक, एंट्री सीन्स और हैरतअंगेज एक्शन सीक्वेंस। लेकिन गीतू ने इन सभी तत्वों को एक काल्पनिक और अनोखी दुनिया में स्थापित करने का प्रयास किया है। स्क्रीन पर राया के कैरेक्टर को जिस तरह से पेश किया गया है, उसमें 'KGF' के रॉकी भाई की झलक महसूस होती है। रॉकी की तरह राया भी एक आम हीरो के बजाय 'लार्जर देन लाइफ' व्यक्तित्व है, जिसकी साख और खौफ उसके आने से पहले ही माहौल बना देता है। लेकिन दोनों में बड़ा अंतर यह है कि गीतू मोहनदास राया के चरित्र की जटिलताओं और उसकी कमियों को दिखाने में ज्यादा दिलचस्पी रखती हैं। फिल्म की समस्या विचारों की कमी नहीं है, बल्कि ओवरलोड है। 194 मिनट का लंबा रनटाइम मिलने के बावजूद स्क्रीनप्ले बहुत जल्दबाजी में लिखा गया महसूस होता है। महत्वपूर्ण भावनात्मक सीन बनने से पहले ही खत्म हो जाते हैं, जिससे दर्शक उनसे पूरी तरह जुड़ नहीं पाते। कई दृश्य केवल कहानी को अगले बड़े एक्शन सीक्वेंस तक ले जाने के लिए रखे गए प्रतीत होते हैं। हालांकि गीतू का निर्देशन उन दृश्यों में सबसे ज्यादा चमकता है जहाँ वे किरदारों को शांति से संवाद करने का मौका देती हैं। खासतौर पर राया और टिकट के बीच के सीन्स में जो मनोवैज्ञानिक तनाव देखने को मिलता है, उसकी जरूरत पूरी फिल्म में महसूस होती है। यदि कोई एक डिपार्टमेंट है जिसमें 'टॉक्सिक' पूरी तरह से अपनी छाप छोड़ती है तो वह है इसका तकनीकी पहलू। 1940 के गोवा के दौर को बड़े पर्दे पर री-क्रिएट करने के लिए मेकर्स ने काफी मेहनत की है। फिल्म के सेट, कॉस्ट्यूम डिजाइन और ओवरऑल प्रोडक्शन वैल्यू एक ऐसी दुनिया का निर्माण करते हैं जो वास्तविकता से बड़ी और भव्य लगती है। सिनेमैटोग्राफर राजीव रवि की सिनेमैटोग्राफी फिल्म को एक अलग और विशिष्ट विजुअल लैंग्वेज देती है। कैमरे के फ्रेम में हर एक डिटेल को बेहद खूबसूरती से कैद किया गया है, बिना मुख्य किरदारों से ध्यान हटाए। फिल्म के मेकिंग स्टाइल पर अंतर्राष्ट्रीय सिनेमा और दुनिया भर की प्रदर्शन कलाओं का साफ प्रभाव दिखाई देता है और मेकर्स इन प्रभावों को अपनी कहानी का हिस्सा बनाने में काफी हद तक सफल रहे हैं। फिल्म का एक्शन डिपार्टमेंट इसकी सबसे बड़ी ताकतों में से एक है। सर्कस के बैकड्रॉप में नाडिया के इर्द-गिर्द फिल्माया गया एम्बुश एक्शन सीक्वेंस बेहद यादगार बन पड़ा है। यह सीन काफी थियेट्रिकल है, लेकिन कहीं भी अपनी पकड़ नहीं खोता। सर्कस के अलग माहौल ने एक्शन कोरियोग्राफी को एक नया और अनूठा एंगल दि या है। इसके अ लावा साउंड डिजाइन और म्यूजिक का इस्तेमाल राया के ऑन-स्क्रीन प्रेजेंस को कई गुना बढ़ाने के लिए किया गया है।

UP 2027: 'आधी आबादी' पर सियासी दांव योगी के बाद अखिलेश ने खोला वादों का पिटारा

उत्तर प्रदेश में 2027 विधानसभा चुनाव से पहले महिलाओं को लेकर बीजेपी और समाजवादी पार्टी के बीच सियासी मुकाबला तेज होता दिख रहा है।योगी सरकार के मुफ्त बस यात्रा के ऐलान के बाद सपा ने महिलाओं को हर साल ₹40 हजार देने वाली 'स्त्री सम्मान समृद्धि योजना' का वादा कर चुनावी माहौल गरमा दिया है।

उत्तर प्रदेश में 2027 विधानसभा चुनाव की तैयारियों के साथ ही महिला वोटरों को साधने की सियासी होड़ तेज हो गई है। एक दिन पहले योगी सरकार ने 60 साल से अधिक उम्र की महिलाओं के लिए रोडवेज बसों में आजीवन मुफ्त यात्रा की योजना को मंजूरी दी। अब समाजवादी पार्टी ने भी महिलाओं के लिए बड़ा चुनावी वादा कर दिया है। सपा सांसद डिंपल यादव ने 'स्त्री सम्मान समृद्धि योजना' शुरू करने का ऐलान किया है, जिसके तहत पार्टी की सरकार बनने पर महिलाओं को हर साल 40 हजार रुपये देने की बात कही गई है। लखनऊ में अखिलेश यादव की मौजूदगी में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान डिंपल यादव ने योजना की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ एक बार की आर्थिक सहायता नहीं होगी। योजना के तहत मिलने वाली रकम में आगे चलकर हर साल बढ़ोतरी की जाएगी और इसे चरणबद्ध तरीके से लागू करने की बात कही गई है। डिंपल ने महिला सशक्तिकरण को सपा की राजनीति से जोड़ते हुए कहा कि महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत किए बिना प्रदेश का विकास पूरा नहीं हो सकता। उनके मुताबिक पार्टी की रणनीति सिर्फ सीधे पैसे देने तक सीमित नहीं होगी, बल्कि महिलाओं को मोबाइल, लैपटॉप, शिक्षा और प्रशिक्षण जैसे माध्यमों से भी आत्मनिर्भर बनाने पर जोर रहेगा। डिंपल यादव ने सपा के चर्चित PDA समीकरण को भी महिलाओं से जोड़ने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि PDA में 'A' का मतलब 'आधी आबादी' भी है। पार्टी का दावा है कि महिलाओं के सम्मान, आर्थिक स्वतंत्रता और सामाजिक भागीदारी को उसकी राजनीतिक प्राथमिकताओं में प्रमुख स्थान दिया जाएगा। यानी सपा का यह ऐलान केवल आर्थिक मदद की योजना के तौर पर नहीं देखा जा रहा, बल्कि 2027 के चुनाव में महिला मतदाताओं को अपने साथ जोड़ने की कोशिश के रूप में भी सामने आया है। सपा का यह ऐलान ऐसे समय आया है जब योगी सरकार ने 60 वर्ष से अधिक उम्र की महिलाओं को यूपी रोडवेज की बसों में आजीवन मुफ्त यात्रा देने वाली लोकमाता अहिल्याबाई मातृशक्ति योजना को मंजूरी दी है। इसके अलावा आर्थिक रूप से कमजोर महिलाओं के लिए 50 हजार रुपये तक की सहायता की योजना पर भी चर्चा की जा रही है। इस तरह यूपी की राजनीति में महिला केंद्रित योजनाओं को लेकर मुकाबला अब साफ दिखाई देने लगा है। एक तरफ भाजपा सरकार मुफ्त यात्रा और आर्थिक सहायता जैसे कदमों के जरिए महिलाओं तक पहुंच बनाने की कोशिश कर रही है, तो दूसरी तरफ सपा ने सीधे सालाना आर्थिक मदद का वादा सामने रख दिया है। सपा की ओर से महिलाओं और छात्राओं के लिए अन्य घोषणाएं भी की गई हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि सत्ता में लौटने पर इंटर पास करने वाली छात्राओं को लैपटॉप देने की योजना लाई जाएगी। पार्टी ने महिला सुरक्षा के लिए 1090 व्यवस्था को मजबूत करने और पुलिस बल में 33 प्रतिशत महिला आरक्षण लागू करने की बात भी कही है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में अखिलेश यादव ने महिला आरक्षण के मुद्दे पर भी भाजपा को घेरा। उन्होंने सवाल उठाया कि संसद से महिला आरक्षण विधेयक पारित होने के बाद भी इसे लागू करने में देरी क्यों हो रही है। उनका कहना था कि अगर महिलाओं के लिए दूसरी योजनाओं की घोषणा की जा सकती है तो राजनीतिक प्रतिनिधित्व में आरक्षण लागू करने की दिशा में भी कदम उठना चाहिए। उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य में महिला मतदाता चुनावी समीकरण का अहम हिस्सा हैं। ऐसे में चुनाव से कई महीने पहले ही दोनों प्रमुख राजनीतिक खेमों की ओर से महिलाओं को केंद्र में रखकर घोषणाएं सामने आना बताता है कि 2027 की लड़ाई में 'आधी आबादी' को लेकर सियासी दांव अभी से शुरू हो चुका है। सपा का 40 हजार रुपये सालाना देने का वादा फिलहाल पार्टी की चुनावी घोषणा है; योजना की पात्रता, आवेदन प्रक्रिया और लाभार्थियों के चयन जैसे विस्तृत नियम अभी सामने नहीं आए हैं।

उत्तर प्रदेश के राजकीय और निजी आईटीआई में प्रवेश के लिए प्रथम चरण का चयन परिणाम घोषित कर दिया गया

प्रदेश की राजकीय, निजी व पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल की औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) में चल रही नए सत्र 2026-27 की प्रवेश प्रक्रिया में पहले चरण का सीट एलॉटमेंट जारी कर दिया गया है। इसके तहत अभ्यर्थी आज से प्रवेश और अपनी सीट फ्रीज-फ्लोट कर सकेंगे। इसमें छह महीने, एक साल व दो साल के पाठ्यक्रम शामिल हैं। इस साल आईटीआई की प्रवेश प्रक्रिया काफी लेट चल रही है। वहीं 15 अगस्त तक छात्रों से चॉइस लेकर राज्य व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद (एससीवीटी) द्वारा आगे की प्रक्रिया नहीं घोषित की जा रही थी। अमर उजाला द्वारा इससे संबंधित खबर प्रमुखता से प्रकाशित की गई थी। इस क्रम में एससीवीटी द्वारा बुधवार को सीट एलॉटमेंट जारी किया गया है।एससीवीटी के अधिशासी निदेशक अभिषेक सिंह ने बताया कि अभ्यर्थी अपने प्रवेश परिणाम की जानकारी वेबसाइट http://www.scvtup.in व http://www.upvesd.gov.in/dte देखें। अभ्यर्थी 27 अगस्त से चार सितंबर तक प्रवेश व अपनी सीट फ्रीज व फ्लोट करेंगे। अभ्यर्थी अपना प्रवेश पत्र प्रिंट लेकर प्रवेश भी प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि अभ्यर्थी के मोबाइल नम्बर पर चयन की सूचना एसएमएस द्वारा भी दी जा रही है। प्रवेशित अभ्यर्थी अपने बुलावा पत्र की प्रति, सभी मूल प्रमाण, अंक पत्रों की प्रति व उनकी एक-एक प्रमाणित प्रति आदि के साथ संबंधित संस्थान के प्रधानाचार्य से संपर्क करके प्रवेश सुनिश्चित कराएं। अभ्यर्थी प्रवेश के साथ ही अपग्रेडेशन प्रक्रिया में शामिल हो सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए अभ्यर्थी अपने पास के औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान से संपर्क कर सकते हैं। हेल्प डेस्क 0522-4150500, 7897992063 पर संपर्क कर सकते हैं।

मायावती ने हिजाब विवाद पर टिप्पणी करते हुए इसे अदालती लड़ाई के बजाय स्थानीय स्तर पर सुलझाने की सलाह दी

हिजाब को लेकर चल रहे विवाद के बीच, BSP प्रमुख मायावती ने बुधवार को कहा कि ऐसे विवादों को आपसी समझ से स्थानीय स्तर पर सुलझाया जाना चाहिए और उन्होंने चेतावनी दी कि इनका इस्तेमाल संकीर्ण राजनीति के लिए नहीं किया जाना चाहिए। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉ. बीआर अंबेडकर के नेतृत्व में तैयार किया गया संविधान सभी धर्मों और समुदायों के लोगों को समान अधिकार देता है।उन्होंने 'X' पर एक पोस्ट में कहा कि सभी धर्मों के धार्मिक ग्रंथों, रीति-रिवाजों और मान्यताओं के आधार पर शांतिपूर्ण और खुशहाल जीवन जीने का अधिकार सभी को है। साथ ही, उन्होंने लोगों से धार्मिक मान्यताओं और रीति-रिवाजों की पवित्रता का सम्मान करने की अपील की। स्कूलों में हिजाब पहनने के मुद्दे पर मायावती ने कहा कि इन मामलों को ज़रूरत से ज़्यादा अहमियत देने और अदालतों में कानूनी विवाद का रूप देने के बजाय, इन्हें स्कूल मैनेजमेंट, सरकार और प्रशासन के बीच आपसी समझ और सूझ-बूझ से स्थानीय स्तर पर ही सुलझाया जाना चाहिए। मायावती ने कहा कि इस तरह के रवैये से यह पक्का होगा कि किसी को भी ऐसे विवादों की आड़ में संकीर्ण राजनीति करने का मौका न मिले। उन्होंने कहा कि बीएसपी एक अंबेडकरवादी पार्टी है जो समाज के सभी वर्गों के सम्मान और उनकी जान-माल व धर्म की सुरक्षा की गारंटी देती है।" उन्होंने लोगों से किसी भी धर्म, धार्मिक ग्रंथों या मान्यताओं से जुड़े संवेदनशील मामलों पर टिप्पणी करने से बचने की अपील की। उनकी यह टिप्पणी इलाहाबाद हाई कोर्ट द्वारा प्रयागराज के एक प्राइवेट स्कूल के नाबालिग छात्र की उस याचिका को खारिज करने के कुछ दिनों बाद आई है, जिसमें स्कूल यूनिफॉर्म के साथ हिजाब पहनने की इजाज़त मांगी गई थी। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (AIMPLB) ने संकेत दिया है कि वह इस आदेश को चुनौती दे सकता है। AIMPLB के सदस्य और धर्मगुरु खालिद रशीद फिरंगी महली ने कहा कि हिजाब हमेशा से इस्लाम का अहम हिस्सा रहा है। हम निश्चित रूप से कोर्ट जाएंगे और अपना पक्ष रखेंगे। मायावती ने उत्तर प्रदेश सरकार और प्रशासन से बदायूं में अंबेडकर की मूर्ति लगाने को लेकर चल रहे विवाद को जल्द सुलझाने और इलाके में शांति बहाल करने की भी अपील की। उन्होंने कहा कि यह उचित होगा कि सरकार और प्रशासन बदायूं जिले में भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. बी.आर. अंबेडकर की मूर्ति लगाने को लेकर चल रहे विवाद और तनाव का तुरंत शांतिपूर्ण और सही समाधान निकाले।

मानकनगर में बुधवार सुबह कनौसी पुल के पास नहर के जाल में दो शव फंसे मिले

लखनऊ के मानकनगर में बुधवार सुबह कनौसी पुल के पास नहर के जाल में दो शव फंसे मिले। दोनों शव पुरुषों के हैं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को बाहर निकलवाकर पोस्टमॉर्टम के लिए मोर्चरी भेज दिया। अभी दोनों की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस के मुताबिक, सुबह करीब 7:30 बजे रेगुलेटर में दो शव दिखाई देने की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवों को बाहर निकलवाया। मृतकों की उम्र करीब 40 और 20 साल बताई जा रही है। करीब 20 साल के युवक के दाहिने हाथ पर महाकाल नाम का टैटू बना हुआ है। पुलिस इसी को उसकी पहचान का आधार मानकर शिनाख्त कराने का प्रयास कर रही है। आसपास के थानों से संपर्क किया जा रहा है। इसके अलावा अन्य माध्यमों से भी दोनों शवों की पहचान कराने की कोशिश की जा रही है। इससे पहले सोमवार देर रात नहर में दो युवकों के गिरने की सूचना मिली थी। उनकी तलाश में एसडीआरएफ ने करीब 24 घंटे तक सर्च अभियान चलाया, लेकिन मंगलवार देर रात तक कोई बरामदगी नहीं हुई। इसके बाद पुलिस ने सूचना पर संदेह जताया। थाना प्रभारी अजीत सिंह ने बताया कि सूचना देने वाला रविकांत मौर्य शराब के नशे में था। उसने दो युवकों के नहर में गिरने की जानकारी दी थी और बताया था कि वे भी नशे में थे। इसलिए पुलिस उस सूचना को संदिग्ध मानकर जांच कर रही है। अब जाल से मिले दोनों शवों का उसी घटना से कोई संबंध है या नहीं, इसकी भी जांच की जा रही है।

बुधवार को करीब दो घंटे हुई मूसलाधार बारिश से शहर की रफ्तार थम गई

लखनऊ में बुधवार दोपहर करीब दो घंटे तक हुई मूसलाधार बारिश से जनजीवन प्रभावित हो गया। घने काले बादलों के कारण दिन में ही अंधेरा छा गया। वाहन चालकों को दिन में भी हेडलाइट, वाइपर और डीपर का इस्तेमाल करना पड़ा। बारिश से बचने के लिए लोग फ्लाईओवर के नीचे शरण लेते नजर आए। जलभराव के कारण कई तिराहे-चौराहों और अंडरपास में यातायात व्यवस्था प्रभावित रही। बुधवार सुबह से ही लखनऊ में रुक-रुककर बारिश हो रही थी। सुबह से आसमान में घने काले बादल छाए रहे। करीब 15 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं। हुसैनगंज, चौक, गोमती नगर, सरोजनी नगर और रहीमाबाद में सुबह रिमझिम बारिश हुई। दोपहर करीब तीन बजे से शाम पांच बजे तक चिनहट, कमता, विभूति खंड, विशाल खंड, मलिहाबाद, बंथरा और सरोजनी नगर में तेज बारिश हुई। कई जगह सड़कों पर पानी भर गया, जिससे वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। मौसम विभाग ने रात तक गरज-चमक के साथ तेज बारिश का अलर्ट जारी किया है।

योगी सरकार की महिलाओं को बड़ी सौगात
'लोकमाता अहिल्याबाई निःशुल्क बस यात्रा' योजना; मुफ्त सफर से बढ़ेगी आत्मनिर्भरता

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महिलाओं के लिए 'लोकमाता अहिल्याबाई निःशुल्क बस यात्रा' योजना शुरू की है। यह पहल 18वीं सदी की शासक अहिल्याबाई होल्कर के नाम पर है, जो महिला सशक्तिकरण और सुशासन की मिसाल थीं। यह योजना अहिल्याबाई के सम्मान में महिलाओं की आत्मनिर्भरता और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के उनके योगदान को रेखांकित करती है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को राज्य में महिलाओं के लिए मुफ़्त बस यात्रा योजना की घोषणा की। इस पहल का नाम 18वीं सदी की शासक अहिल्याबाई होल्कर के नाम पर रखा गया है। लखनऊ में लॉन्च कार्यक्रम में बोलते हुए आदित्यनाथ ने कहा कि महिलाओं के सशक्तिकरण में अहिल्याबाई होल्कर के योगदान को सम्मान देते हुए इस योजना का नाम 'लोकमाता अहिल्याबाई निःशुल्क बस यात्रा' रखा गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अहिल्याबाई होल्कर ने महिलाओं की आत्मनिर्भरता की मिसाल पेश की और साथ ही सुशासन तथा भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत की रक्षा के लिए भी काम किया। आदित्यनाथ ने कहा कि अहिल्याबाई होल्कर ने

उस समय अहम भूमिका निभाई जब देश मुगल आक्रमणकारियों की वजह से अव्यवस्था का सामना कर रहा था। उन्होंने भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत को बचाए रखते हुए सुशासन के लक्ष्यों को आगे बढ़ाने का श्रेय उन्हें दिया। मुख्यमंत्री ने देश भर में मंदिरों के जीर्णोद्धार में उनके योगदान पर भी प्रकाश डाला। आदित्यनाथ के अनुसार, विदेशी आक्रमणकारियों द्वारा क्षतिग्रस्त या नष्ट किए गए सैकड़ों मंदिरों का बाद में अहिल्याबाई होल्कर के प्रयासों से जीर्णोद्धार किया गया। आदित्यनाथ ने कहा कि जब भी महिलाओं के सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता की बात होती है, तो अहिल्याबाई होल्कर का नाम सम्मान के साथ याद किया जाता है। उन्होंने उन्हें महिलाओं की आत्मनिर्भरता का एक आदर्श उदाहरण बताया और कहा कि उनकी विरासत से ही प्रेरित होकर मुफ़्त बस यात्रा योजना का नाम उनके नाम पर रखा गया है। यह घोषणा लखनऊ में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान की गई, जिसमें मुख्यमंत्री ने शासन-प्रशासन, सांस्कृतिक संरक्षण और महिला सशक्तिकरण में इस ऐतिहासिक हस्ती के योगदान पर प्रकाश डाला।

उन्नाव में जुलूस-ए-मोहम्मदी में उमड़ा जनसैलाब, रोशनी से जगमगाया शहर ;गूंजे नात और भाईचारे के संदेश

उन्नाव में बुधवार को बारावफात के अवसर पर जश्न-ए-मिलादुन्नबी का माहौल रहा। इस मौके पर शहर में जुलूस-ए-मोहम्मदी निकाला गया, जिसमें बड़ी संख्या में अकीदतमंद शामिल हुए। मंगलवार रात से ही शहर के मोहल्लों, गलियों, घरों, मस्जिदों और प्रमुख स्थानों को आकर्षक रोशनी से सजाया गया था। जगह-जगह मस्जिदों और दरगाहों के सुंदर मॉडल बनाए गए, जिन्हें देखने के लिए देर रात तक भीड़ उमड़ती रही। बुधवार दोपहर जामा मस्जिद से जुलूस-ए-मोहम्मदी की शुरूआत हुई। जुलूस में शामिल अकीदतमंदों ने नात-ए-पाक और सलाम पेश करते हुए पैगंबर मोहम्मद साहब की शान में नारे बुलंद किए। 'नबी की आमद मरहबा, आका की आमद मरहबा' और 'नारे-ए-तकबीर' के नारों से पूरा शहर गूंज उठा। जुलूस से पहले जामा मस्जिद में परचम कुशाई की रस्म अदा की गई। शहर काजी मौलाना निसार अहमद मिस्बाही ने तकरीर पेश करते हुए कहा कि अल्लाह के नबी और उनके सहाबा से मोहब्बत ईमान का अहम हिस्सा है। उन्होंने लोगों से अमन, भाईचारे, इंसानियत और नेक आमाल की राह पर चलने की अपील की। कमेटी की ओर से तराना पेश किया गया। जैसे ही मस्जिद की छत पर परचम बुलंद हुआ, मौजूद अकीदतमंदों ने अपने हाथों में लिए झंडे ऊंचे कर दिए। 'नारे-ए-तकबीर, अल्लाहु अकबर' और 'नारे-ए-रिसालत' के नारों से पूरा परिसर गूंज उठा। जामा मस्जिद से औपचारिक रूप से शुरू हुए जुलूस में सबसे आगे उलेमा और बुजुर्ग चल रहे थे। उनके पीछे विभिन्न अंजुमनों के लोग झंडे लेकर शामिल हुए। दावते इस्लामी के सदस्यों ने नात-ए-पाक पढ़ते हुए लोगों को नमाज, नेक आमाल और भाईचारे का संदेश दिया। यह जुलूस जामा मस्जिद से छोटा चौराहा, बड़ा चौराहा, धवन रोड, कसाई चौराहा, तालिब सराय होते हुए किला मैदान पहुंचा। इस बार जुलूस निर्धारित समय से लगभग दो घंटे की देरी से शुरू हुआ, हालांकि अकीदतमंदों के उत्साह में कोई कमी नहीं आई। जुलूस के स्वागत के लिए पूरे मार्ग पर विशेष तैयारियां की गई थीं। जगह-जगह सबीलें लगाकर ठंडा पानी और शरबत वितरित किया गया। कई स्थानों पर हलवा, पूड़ी, बिरयानी समेत अन्य खाद्य सामग्री लोगों को बांटी गई। अकीदतमंदों पर फूल बरसाकर भी स्वागत किया गया।

खास बात यह रही कि मुस्लिम समाज के साथ अन्य धर्मों के लोगों ने भी जुलूस का स्वागत कर सामाजिक सौहार्द और भाईचारे की मिसाल पेश की। स्वागत स्थलों पर लोगों ने एक-दूसरे को बधाई दी और अमन-चैन की दुआ की। मरकजी सीरत कमेटी की देखरेख में निकला जुलूस अनुशासन और उत्साह के साथ आगे बढ़ता रहा। शमशाद अखाड़े के युवाओं ने रास्ते भर तलवारबाजी, लाठी और अन्य पारंपरिक खेलों के हैरतअंगेज करतब दिखाए। करतब देखने के लिए लोगों की भीड़ जमा होती रही। युवाओं के प्रदर्शन पर लोगों ने तालियां बजाकर उनका उत्साह बढ़ाया।

दो माह से लंबित भुगतान न होने से आक्रोशित सीएचओ (सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों) ने मंगलवार को सीएमओ कार्यालय के बाहर धरना प्रदर्शन किया

दो माह से लंबित भुगतान न होने से आक्रोशित सीएचओ (सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों) ने मंगलवार को सीएमओ कार्यालय के बाहर धरना प्रदर्शन किया। सीएचओ ने अधिकारियों से जल्द भुगतान की मांग की। सीएमओ ने सीएचओ को भुगतान पोर्टल पर दर्ज कराने का आश्वासन दिया है। सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी संघ के बैनर तले मंगलवार को सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय पर धरना-प्रदर्शन किया। अधिकारियों ने आरोप लगाया कि उपस्थिति प्रबंधन प्रणाली के आधार पर उनके मानदेय भुगतान में भेदभाव किया जा रहा है। उनके मुताबिक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अन्य कर्मियों का मानदेय नियमित रूप से जारी हो रहा है, जबकि उनका मानदेय करीब दो माह से लंबित है। इससे उन्हें समस्याएं झेलनी पड़ रही हैं। बिना भेदभाव के सभी सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों का मानदेय समय से जारी करने की मांग की। सीएमओ डॉ. अजय कुमार शर्मा ने प्रतिनिधिमंडल को मंगलवार को ही भुगतान पोर्टल पर लगाने का आश्वासन दिया है। इस दौरान जिला कार्यक्रम प्रबंधक इंतजार अहमद सिद्दीकी, एसीएमओ डॉ. जेआर सिंह, जिला महामंत्री प्रशांत गुप्ता, जिला अध्यक्ष राजेश कुमार, सौरभ द्विवेदी, सुमित कुमार, राहुल, विकास, रंजना, ज्योति और गरिमा आदि लोग मौजूद रहे।

कच्ची दीवार के नीचे दबकर बाबा और पोते की दर्दनाक मौत हो गई

उन्नाव में उस समय दर्दनाक हादसा हो गया जब कच्ची दीवार बारिश के कारण गिर गई, जिसके नीचे बाबा और पोता दोनों दब गए। मौके पर मौजूद लोगों ने आनन-फानन राहत और बचाव कार्य चलाया। मिट्टी हटाकर घायलों को बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक देर हो चुकी थी। दोनों की मौत हो चुकी थी। घटना के बाद घर में कोहराम मच गया। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना की जानकारी मिलने पर सदर विधायक और जिलाधिकारी पोस्टमार्टम हाउस पहुंच गए। आपदा राहत कोष से मृतक परिजनों को आर्थिक मदद दी गई। मामला सदर कोतवाली क्षेत्र का है।उत्तर प्रदेश के उन्नाव के सदर कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत मसवासी मगरवारा में दर्दनाक हादसा हो गया। जब घर में चल रहे मरम्मत कार्य के दौरान कच्चे मकान की एक दीवार गिर गई, जिसके नीचे 65 वर्षीय हंसराम और 8 वर्षीय होता दब गए। शोर-शराबा सुनकर मौके पर पहुंचे ग्रामीण और अपनों ने राहत और बचाव कार्य चलाया। आनन-फानन मलबा हटाकर दोनों को बाहर निकल गया। लेकिन काफी देर हो चुकी थी। हंसराम और पोते की मौत हो चुकी थी।परिवार के दो सदस्यों की मौत से घर में कोहराम मच गया। घटना की जानकारी सदर कोतवाली पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। मृतक हंसराम के तीन बेटे हैं। जबकि मृतक मासूम दो बहनों के बीच अकेला था। घटना की जानकारी मिलने पर सदर विधायक पंकज गुप्ता भी पोस्टमार्टम हाउस पहुंच गए। जिलाधिकारी घनश्याम मीणा ने भी मृतक परिजनों से बातचीत की और उन्हें ढांढस बंधाया। राहत कोष से आठ लाख रुपए का चेक प्रदान किया। इसके साथ ही हर संभव मदद का आश्वासन दिया। सदर कोतवाली पुलिस ने बताया कि दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। घटना की जानकारी मिलने पर अपर जिलाधिकारी, सिटी मजिस्ट्रेट भी मौके पर पहुंच गए। राहत कोष से मृतक परिजनों को आर्थिक मदद देने की कार्रवाई की जा रही है।

पीएमश्री कंपोजिट विद्यालय बनिगांव और पासाखेड़ा में विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गई

क्षेत्र के पीएमश्री कंपोजिट विद्यालय बनिगांव और पासाखेड़ा में सत्र परीक्षाएं समाप्त होने पर मंगलवार को विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गईं। बच्चों को स्मार्ट बोर्ड और कंप्यूटर के माध्यम से विषय आधारित डिजिटल सामग्री दिखाई गई। बच्चों ने कंप्यूटर पर कॉमिक्स, प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़ी सामग्री और लेख पढ़े। बनिगांव के पीएम श्री कंपोजिट विद्यालय में 242 बच्चे अध्ययनरत हैं। कंप्यूटर कक्षा प्रभारी पवन पांडेय ने बताया कि कक्षा में 11 कंप्यूटर हैं। इन कंप्यूटरों से बच्चों को पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन तैयार करने समेत अन्य गतिविधियां कराई जाती हैं। प्रभारी प्रधान शिक्षक प्रदीप कुमार ने बताया कि स्मार्ट बोर्ड के माध्यम से दीक्षा एप पर पुस्तकीय पाठ्यक्रम की सामग्री दिखाई जाती है। विद्यालय की डिजिटल लाइब्रेरी में चार कंप्यूटर भी हैं। पासाखेड़ा के पीएम श्री कंपोजिट विद्यालय में 277 बच्चे हैं। कंप्यूटर प्रभारी धर्मेंद्र वर्मा ने बताया कि बच्चों को प्रतिदिन कंप्यूटर का प्रशिक्षण दिया जाता है। प्रधान शिक्षक संतोषी नंदन शुक्ला ने बताया कि स्मार्ट क्लास में गणित, हिंदी, अंग्रेजी, विज्ञान और सामाजिक विषयों की पढ़ाई होती है। यह पढ़ाई डिजिटल सामग्री से कराई जाती है। क्षेत्र के पीएम श्री कंपोजिट विद्यालय बनिगांव व पासाखेड़ा में सत्र परीक्षा समाप्त होने पर मंगलवार को विभिन्न गतिविधियां कराई गईं। इसमें बच्चों को स्मार्ट बोर्ड और कंप्यूटर के माध्यम से विषय आधारित डिजिटल सामग्री दिखाई गई। बच्चे कंप्यूटर पर कॉमिक, प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़ी सामग्री और लेख पढ़ते नजर आए। बनिगांव के पीएम श्री कंपोजिट विद्यालय में 242 बच्चे अध्ययनरत हैं। कंप्यूटर कक्षा प्रभारी पवन पांडेय ने बताया कि कक्षा में 11 कंप्यूटर हैं। जिनसे बच्चों को पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन (पीपीटी) तैयार करने समेत अन्य गतिविधियां कराई जाती हैं। प्रभारी प्रधान शिक्षक प्रदीप कुमार ने बताया कि स्मार्ट बोर्ड के माध्यम से दीक्षा ऐप पर पुस्तकीय पाठ्यक्रम की सामग्री दिखाई जाती है। डिजिटल लाइब्रेरी में चार कंप्यूटर हैं। वहीं, पासाखेड़ा के पीएम श्री कंपोजिट विद्यालय में 277 बच्चे हैं। कंप्यूटर प्रभारी धर्मेंद्र वर्मा ने बताया कि प्रतिदिन बच्चों को कंप्यूटर का प्रशिक्षण दिया जाता है। प्रधान शिक्षक संतोषी नंदन शुक्ला ने बताया कि स्मार्ट क्लास में गणित, हिंदी, अंग्रेजी, विज्ञान और सामाजिक विषयों की डिजिटल सामग्री से पढ़ाई कराई जाती है।

जनपद में खाद्य पदार्थों में जमकर मिलावट की जा रही है

जनपद में खाद्य पदार्थों में जमकर मिलावट की जा रही है। खोया, दूध, पनीर जैसी चीजें शुद्ध नहीं मिल रही हैं। आलम यह है कि बाजार में बिक रही हर दूसरी चीज मिलावटी है। यह हम नहीं खाद्य एवं औषधि प्रशासन की ओर से लिए गए नमूनों की रिपोर्ट कह रही है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में विभाग ने विभिन्न प्रतिष्ठानों में जांच कर 408 नमूने लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा था। इनकी जांच में 208 नमूने फेल आए। इस रिपोर्ट के आधार पर खानपान की हर दूसरी चीज में मिलावट की पुष्टि हुई है। इसके बाद एडीएम कोर्ट में वाद दायर किया गया। इसमें 10 की सुनवाई पूरी हो चुकी है और जुर्माना लगाया जा चुका है। खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने किराना की दुकान से बेसन और रवा के सैंपल लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे थे। दोनों नमूनों की जांच रिपोर्ट में पैकेट पर लिखी जानकारी भ्रामक मिली। बेसन व रवा के एक किलो के पैकेट में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट व वसा की मात्रा क्रमश: 23.34, 57.84 और 4.62 प्रतिशत की जानकारी दी गई थी जबकि जांच में यह 22.84, 48.20 और 3.65 फीसदी ही पाई गई। लोगों को झूठी जानकारी देकर भ्रमित करने पर कंपनी पर दो लाख का जुर्माना लगाया गया। बीघापुर निवासी मूलचंद्र की दुकान से छेने का सैंपल लिया गया था। इसे जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा गया था। जांच रिपोर्ट में छेने में मैदा की मात्रा पांच फीसदी निकली थी जबकि मैदा दो फीसदी से ज्यादा नहीं होना चाहिए। मानकविहीन होने की पुष्टि के बाद वाद एडीएम न्यायालय में दाखिल किया गया था। न्यायालय ने मूलचंद्र पर पांच हजार का जुर्माना लगाया है।

ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद का उन्नाव रेलवे स्टेशन पर स्वागत किया गया

उन्नाव में बुधवार दोपहर दिल्ली से लखनऊ जा रही शताब्दी एक्सप्रेस में सवार भाजपा ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद का उन्नाव रेलवे स्टेशन पर स्वागत किया गया। सदर विधायक पंकज गुप्ता के नेतृत्व में सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ता स्टेशन पहुंचे थे। शताब्दी एक्सप्रेस के उन्नाव स्टेशन पहुंचते ही कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी की। सदर विधायक पंकज गुप्ता सहित भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाओं से उनका अभिनंदन किया। भाजपा ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद दिल्ली से लखनऊ की यात्रा कर रहे थे। ट्रेन के उन्नाव स्टेशन पर ठहराव के दौरान स्थानीय भाजपा पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने उनसे मुलाकात की। सदर विधायक पंकज गुप्ता ने कार्यकर्ताओं के साथ पार्टी की ओर से उनका अभिनंदन किया। इस स्वागत कार्यक्रम में भाजपा नेता विमल द्विवेदी भी मौजूद थे। बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता भी स्टेशन पर पहुंचे। इस दौरान भाजपा नेताओं ने संगठन की गतिविधियों और आगामी कार्यक्रमों पर भी चर्चा की। कुछ देर के ठहराव के बाद शताब्दी एक्सप्रेस उन्नाव रेलवे स्टेशन से लखनऊ के लिए रवाना हो गई। इसके बाद भाजपा कार्यकर्ता स्टेशन से वापस लौट गए। भाजपा नेताओं ने बताया कि पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी के उन्नाव पहुंचने से कार्यकर्ताओं में सक्रियता दिखी। स्टेशन पर बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं की मौजूदगी ने पार्टी की संगठनात्मक सक्रियता को प्रदर्शित किया।

यूपी चुनाव से पहले अखिलेश का बड़ा दांव महिलाओं के लिए ₹40 हजार सालाना पेंशन का ऐलान

यूपी विधानसभा चुनाव से पहले समाजवादी पार्टी ने महिलाओं को केंद्र में रखते हुए 'स्त्री सम्मान समृद्धि योजना' का ऐलान किया है।अखिलेश यादव ने सत्ता में आने पर हर वयस्क महिला को सालाना ₹40 हजार पेंशन देने और इसमें हर साल बढ़ोतरी का वादा किया।सपा ने महिलाओं के लिए समर्पित एम्बुलेंस सेवा, छात्राओं को लैपटॉप, मुफ्त मेट्रो कार्ड और बंद पड़े 26 हजार प्राथमिक स्कूलों को फिर शुरू करने की भी घोषणा की।

यूपी विधानसभा चुनाव से पहले समाजवादी पार्टी ने स्त्री सम्मान सम्रद्धि योजना का एलान किया है। सपा सरकार आने पर वयस्क स्त्रियों को 40 हज़ार पेंशन दी जाएगी। हर साल पेंशन बढ़ेगी। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि बिना आधी आबादी के तरक्की अधूरी है। सपा सरकार में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर कोई समझौता नहीं होगा। स्त्री समृद्धि सम्मान योजना आधी आबादी की पूरी आज़ादी का संकल्प है। अखिलेश यादव ने यह भी कहा कि महिलाओं के लिए समर्पित एम्बुलेंस सेवा शुरू की जाएगी। वहीं मैनपुरी से सपा सांसद डिंपल यादव ने कहा कि स्त्री का सम्मान समाज में हमेशा होना चाहिए। इस योजना में हम महिलाओं को 40 हजार रुपये हर साल देंगे। इसमें हर साल बढ़ोतरी भी होती रहेगी। सपा प्रमुख ने कहा कि पहले भी समाजवादी सरकार में शिक्षा से लेकर स्वास्थ्य और सुरक्षा तक के जो फैसले लिए गए थे, वे आज भी उत्तर प्रदेश सरकार के लिए और देश के लिए उदाहरण बने हैं। मैं अपनी माताओं बहनों को और आधी आबादी को यह भरोसा दिला सकता हूं कि स्त्री सम्मान समृद्धि योजना को हम मैनिफेस्टो में लाने का काम करेंगे। सपा प्रमुख ने कहा कि पहले भी समाजवादी सरकार में शिक्षा से लेकर स्वास्थ्य और सुरक्षा तक के जो फैसले लिए गए थे, वे आज भी उत्तर प्रदेश सरकार के लिए और देश के लिए उदाहरण बने हैं। मैं अपनी माताओं बहनों को और आधी आबादी को यह भरोसा दिला सकता हूं कि स्त्री सम्मान समृद्धि योजना को हम मैनिफेस्टो में लाने का काम करेंगे। अखिलेश ने कहा कि समाजवादी सरकार में जिसको लैपटॉप मिला होगा, वह आज भी चल रहा होगा। उस समय जब टेक्नोलॉजी की इतनी पेनिट्रेशन नहीं थी। टेक्नोलॉजी के माध्यम से इतना कुछ नहीं चल पा रहा था। उस समय समाजवादी पार्टी ने लैपटॉप देने का काम किया था। भविष्य में इंटरमीडिएट पास करने वाली बेटी को लैपटॉप देकर के उसको आगे बढ़ने का मौका समाजवादी सरकार में दिया जाएगा। अखिलेश यादव ने कहा कि हमारे ऑफिस से जानकारी सरकार के पास पहुंच रही है। हम पहले ही मैनिफेस्टो में बुज़ुर्ग लोगों को फ्री बस यात्रा का एलान करने की तैयारी में थे। सरकार आएगी तो यूनिवर्सिटी और स्कूल कालेज जाने के लिए फ्री मेट्रो कार्ड देंगे। सीएम योगी पर निशाना साधते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि जो लोग कुछ नहीं समझते वो भी टेबलेट बांटने की बात कर रहे हैं। इससे पहले भी उन्होंने कुछ बांटा था। उंगली घिस दीजिए, तब भी स्क्रीन पर कुछ नहीं चल रहा है। बता दें कि अभी कल ही योगी कैबिनेट ने 25 लाख युवा छात्र-छात्राओं को फ्री में टैबलेट देने का ऐलान किया था। सपा नेता ने कहा कि बीजेपी के लिए नारी सिर्फ नारा बन कर रह गई है। बीजेपी से मांग है कि वो महिला आरक्षण अगले विधानसभा चुनाव में लागू करे। यहां जितनी भी हमारी महिलाएं बहनें बैठी हैं, वो जानती हैं कि महिला आरक्षण पास हो चुका है। भारतीय जनता पार्टी क्यों देरी कर रही है? अखिलेश यादव ने कहा कि पीडीए का मतलब पेट में दर्द भी है। हमारी घोषणाओं से बीजेपी के पेट में दर्द होता है। अखिलेश ने कहा कि सपा सरकार में पहले भी साइकिल दी गई थी, भविष्य में भी साइकिल मिलेगी। सबसे बड़ी बात ये है कि बंद किए हुए 26,000 प्राइमरी स्कूल पुनः शुरू किए जाएंगे। आंगनवाड़ी को लेकर के भी जो आकड़े आ रहे हैं, वो ऐसे आकड़े हैं कि अगर आप देखोगे तो खुद ही ताज्जुब कर जाओगे कि 10 साल की सरकार और डबल इंजन की सरकार ने आंगनवाड़ियों का क्या हाल कर दिया है।

निशुल्क बस यात्रा की सुविधा के शुभारंभ कार्यक्रम में पहुंचीं महिलाओं में खासा उत्साह नजर आया

उत्तर प्रदेश में महिलाओं के लिए निशुल्क बस यात्रा की सुविधा के शुभारंभ कार्यक्रम में पहुंचीं महिलाओं में खासा उत्साह नजर आया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से संवाद के दौरान कई बुजुर्ग महिलाएं भावुक हो गईं। उन्होंने कहा कि अब उन्हें कहीं आने-जाने के लिए किराये की चिंता नहीं करनी पड़ेगी और न ही यात्रा के लिए किसी दूसरे पर निर्भर रहना होगा। महिलाओं ने कहा कि अब जब मन करेगा, अयोध्या, काशी या प्रदेश के किसी भी हिस्से की यात्रा कर सकेंगी। मुख्यमंत्री को सामने देखते ही कार्यक्रम में मौजूद महिलाओं ने 'हर-हर महादेव' का उद्घोष किया। वहीं, युवतियों और बेटियों ने कहा कि उन्हें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर गर्व है। गोसाईंगंज की गणेश देवी ने मुख्यमंत्री की पहल पर खुशी जताते हुए कहा कि अब वह निश्चिंत होकर यात्रा कर सकेंगी। राजरानी ने कहा कि अब जहां जाने की इच्छा होगी, वहां जा सकेंगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने माताओं को बड़ा उपहार दिया है। लखनऊ के निजामपुर की मिठाना देवी ने कहा कि सरकार ने ऐसी सुविधा दी है, जिससे अब यात्रा के लिए किसी दूसरे पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। कार्यक्रम में मौजूद कई बुजुर्ग महिलाओं ने बताया कि किराये की चिंता के कारण कई बार वे धार्मिक यात्राओं का कार्यक्रम नहीं बना पाती थीं। अब अयोध्या और काशी जैसे धार्मिक स्थलों की यात्रा करना उनके लिए आसान हो जाएगा।

मुस्लिम युवती ने धर्म परिवर्तन करने के बाद हिंदू युवक से शादी की

यूपी के हाथरस से एक ऐसी प्रेम कहानी सामने आई है, जिसमें प्रेमी जोड़े ने समाज और धर्म की बेड़ियों को तोड़कर एक-दूसरे से शादी की लेकिन अब उन्हें जान का खतरा महसूस हो रहा है और उन्होंने पुलिस और प्रशासन से अपनी सुरक्षा की गुहार लगाई है।हाथरस की काशीराम कॉलोनी में रहने वाली एक मुस्लिम युवती निशा ने अपनी इच्छा से हिंदू धर्म अपनाकर इसी कॉलोनी के रहने वाले हिंदू युवक विजय के साथ हिंदू रीति-रिवाज से विवाह कर लिया। शादी के बाद अब प्रेमी दंपति ने युवती के परिजनों पर जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों से सुरक्षा की गुहार लगाई है। बताया जा रहा है कि निशा और विजय एक-दूसरे को काफी समय से जानते थे। दोनों ने अपनी इच्छा से विवाह करने का फैसला लिया। युवती का कहना है कि उसने अपनी स्वेच्छा से मुस्लिम धर्म छोड़कर हिंदू धर्म अपनाया और इसके बाद हिंदू रीति-रिवाज के अनुसार विजय के साथ शादी की है। शादी के बाद दोनों को युवती के परिजनों की ओर से कथित तौर पर धमकियां मिलने लगीं। इससे भयभीत प्रेमी दंपति ने पुलिस-प्रशासन से अपनी और अपने परिवार की जान-माल की सुरक्षा की मांग की है। वहीं, अधिवक्ता मुकेश चतुर्वेदी के माध्यम से प्रेमी युगल द्वारा एक शपथ पत्र भी तैयार कराया गया है। शपथ पत्र में युवती निशा की ओर से स्वेच्छा से हिंदू धर्म अपनाने और विजय के साथ हिंदू रीति-रिवाज से विवाह करने की बात कही गई है। प्रेमी दंपति का कहना है कि उन्होंने किसी दबाव या भय में यह कदम नहीं उठाया है और दोनों अपनी मर्जी से साथ रहना चाहते हैं। अब उनकी निगाहें पुलिस और प्रशासन की कार्रवाई पर टिकी हैं।

मऊ में सुभासपा MLC विच्छेलाल राजभर ने एक विवादित बयान दिया

उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ सरकार में कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर की पार्टी सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के MLC विच्छेलाल राजभर ने एक विवादित बयान देकर नई सियासी बहस छेड़ दी है। मऊ में एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोला और खुलेआम लोगों से सपाई नेताओं को लाठी से दौड़ाने की बात कही। सिलसिलेवार जानिए पूरा मामला।M L C विच्छेलाल राजभर बुधवार को मऊ नगर पालिका में 60 साल से ऊपर की बुजुर्ग महिलाओं के लिए शुरू हुई रोडवेज बसों में मुफ्त सफर की 'लोकमाता अहिल्या बाई मातृशक्ति योजना' के शुभारंभ कार्यक्रम में पहुंचे थे। कार्यक्रम खत्म होने के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने सीधे तौर पर कहा कि '2027 के विधानसभा चुनाव में जब समाजवादी पार्टी के नेता आपके गांव में वोट मांगने आएं तो अपनी लाठी में तेल लगाकर तैयार रखिए, और उन्हें दौड़ाकर गांव से बाहर निकाल दीजिए।'विच्छेलाल राजभर ने अखिलेश यादव और विकास राजभर के रिश्तों को लेकर चल रही सियासी चर्चाओं पर भी अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने आरोप लगाया कि समाजवादी पार्टी के पास अब जनता से जुड़ा कोई भी मुद्दा नहीं बचा है। सपा अब केवल ओमप्रकाश राजभर की राजनीति पर नजर बनाए हुए है। राजभर ने बड़ा दावा करते हुए कहा कि सुभासपा ने ही राजभर समाज की राजनीतिक ताकत को 47 से बढ़ाकर 125 तक पहुंचाया है और समाज को एक नई और मजबूत पहचान दी है। विच्छेलाल राजभर ने आगामी 2027 के विधानसभा चुनाव में NDA की वापसी का भी दावा किया। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी, सुभासपा, निषाद पार्टी और अपना दल सहित NDA के सभी सहयोगी दल लगातार गांव-गांव जाकर जनता के बीच काम कर रहे हैं। उन्होंने पूरा विश्वास जताते हुए कहा कि विकास कार्यों और जनकल्याणकारी योजनाओं के दम पर उत्तर प्रदेश में एक बार फिर पूर्ण बहुमत के साथ एनडीए की सरकार बनेगी।